सांध्य दैनिक
नई दृष्टिबिंदु
सच की शक्ति, जनता की दृष्टि
PRGI Reg No - CTHIN/25/A3746

सु-विचार
" जहां बार-बार अपनी अहमियत समझानी पड़े वहां चुपचाप दूरी बना लेना ही सबसे बेहतर जवाब है...!!
अज्ञात...

वर्ष-01 अंक-257 | संपादक आलोक तिवारी | दुर्ग, सोमवार 05 अक्टूबर 2026 | पृष्ठ 08 | मूल्य -2 रुपए

खनिज प्रभावितों के नाम पर 13,101 करोड़ का फंड, 44% गांव अब भी खाली हाथ — कैग ऑडिट में DMF की 9 बड़ी खामियां उजागर

नई दृष्टिबिंदु खास खबर

आलोक तिवारी / रायपुर

छत्तीसगढ़ में खनन से प्रभावित लोगों के लिए बना जिला खनिज न्यास (DMF) फंड सबसे बड़े सवालों के घेरे में है। कैग की परफॉर्मेंस ऑडिट (2015-16 से 2023-24) के मुताबिक प्रदेश के 33 जिलों में 13,101.65 करोड़ जमा हुए, 10,253.22 करोड़ खर्च हुए, लेकिन जमीन पर तस्वीर उलट है।

तथ्य 1 : प्रभावितों की पहचान में ही 5 से 65 महीने की देरी

नियम कहता है - खनन शुरू होते ही प्रभावित क्षेत्र चिन्हित करो। कैग ने पाया, जिलों ने इसमें 5 महीने से लेकर 65 महीने तक लगा दिए। इस दौरान ही 1,060.70 करोड़ के काम बिना प्रभावित क्षेत्र तय किए स्वीकृत हो गए। यानी पहले पैसा बांटा, बाद में तय किया कि प्रभावित कौन है।

तथ्य 2 : 1,734 में से 754 सीधे प्रभावित गांवों में एक भी काम नहीं

कैग ने 11 जिलों के 1,734 Directly Affected गांवों का भौतिक सत्यापन किया। इनमें से 980 में ही DMF से कोई काम हुआ। 754 गांव (43.48%) पूरी तरह वंचित रहे, जबकि इन 11 जिलों में ही 4,536.58 करोड़ खर्च दिखाया गया।

तथ्य 3 : 79% खर्च बिना वार्षिक बजट के

छत्तीसगढ़ DMF नियम 2015 के नियम 12 के मुताबिक हर साल वार्षिक कार्ययोजना और बजट बनाना अनिवार्य है। 12 नमूना जिलों में 6,150.42 करोड़ प्राप्त हुए, उसमें से 4,870.19 करोड़ बिना किसी अनुमोदित वार्षिक बजट के खर्च कर दिए गए। कैग ने इसे वित्तीय अनुशासन का सीधा उल्लंघन माना।

तथ्य 4 : PMKKKY की प्राथमिकता सूची का उल्लंघन - 30.73 करोड़

PM खनिज क्षेत्र कल्याण योजना में 60% राशि उच्च प्राथमिकता (पेयजल, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, महिला-बाल विकास) और 40% अन्य प्राथमिकता में खर्च होनी थी। कैग ने 80 ऐसे कार्यों को चिन्हित किया जो दोनों में नहीं आते - कलेक्टर-एसपी कार्यालयों का सौंदर्यीकरण, स्वागत गेट, गार्डन, फर्नीचर, वाहन, पुलिस गैजेट, निजी संस्थाओं को अनुदान। इन पर 40.42 करोड़ स्वीकृत कर 30.73 करोड़ जारी कर दिए गए।

तथ्य 5 : ?41.80 करोड़ के 15 से ज्यादा प्रोजेक्ट निष्फल

कोरबा में 10 करोड़ से बनी मल्टीलेवल पार्किंग उपयोग में नहीं, दंतेवाड़ा-बीजापुर में 3 बायोगैस प्लांट पर 1.14 करोड़ खर्च, गोबर नहीं तो प्लांट बंद। कई जगह आंगनबाड़ी, लाइब्रेरी, मार्केट शेड बनने के बाद ताला लटका है। कैग ने इन्हें 'Infructuous/Non-functiona" माना।

तथ्य 6 : 709 करोड़ मुफ्त वितरण में चयन का कोई मानदंड नहीं

साइकिल, सिलाई मशीन, श्रवण यंत्र, कृषि सामग्री के नाम पर 709.47 करोड़ आवंटित। कैग ने 30 योजनाओं में 27.09 करोड़ के 89,760 लाभार्थियों की जांच की तो पाया - लाभार्थी चयन के लिए ग्रामसभा की अनुशंसा नहीं, आय प्रमाण नहीं, प्रभावित क्षेत्र का सत्यापन नहीं। कई जगह एक ही व्यक्ति को दो बार वितरण।

तथ्य 7 : खरीद में भंडार क्रय नियमों की अनदेखी

17.49 करोड़ की सामग्री सीमित कोटेशन से खरीदी गई, खुली निविदा नहीं बुलाई गई। ?38.82 करोड़ की खरीद में तकनीकी स्पेसिफिकेशन ही तय नहीं थे, जिससे गुणवत्ता की तुलना असंभव रही।

तथ्य 8 : केंद्र के मना करने के बाद भी 1.68 करोड़ राज्य सेल को भेजा

भारत सरकार के खान मंत्रालय के निर्देश हैं - DMF राशि राज्य स्तर पर ट्रांसफर नहीं होगी। फिर भी बालोद, बिलासपुर, कोरबा ने 1.68 करोड़ राज्य DMF सेल को भेज दिए। मार्च 2024 तक राज्य सेल के पास 10.82 करोड़ बकाया पड़े थे, जो जिलों को वापस होने थे।

तथ्य 9 : निगरानी और पारदर्शिता - बैठकें नहीं, ऑडिट नहीं, रिकॉर्ड नहीं

- राज्य स्तरीय निगरानी समिति की 9 में से 3 बैठकें (33%), समीक्षा समिति की 36 में से 2 बैठकें (5.5%) ही हुईं। नवंबर 2022 के बाद एक भी बैठक नहीं।

- 12 जिलों में 2015-16 से एक भी सामाजिक अंकेक्षण (Social Audit) नहीं।

- 12 जिलों में ही रिकॉर्ड संधारण फेल - रजिस्टर नहीं, फाइलों और एडिटेबल एक्सेल शीट में हिसाब।

- मानव संसाधनः बेमेतरा और महासमुंद में 100% पद खाली, 6 जिलों में 50% से ज्यादा पद रिक्त।

कैग ने अपनी रिपोर्ट में 11 सिफारिशें की हैं - प्रभावित क्षेत्रों का टाइम-बाउंड चिन्हांकन, सीधे प्रभावित गांवों में 60% खर्च की अनिवार्यता, वार्षिक बजट, वेबसाइट पर हर कार्य और खर्च का सार्वजनिक प्रदर्शन, अनिवार्य सोशल ऑडिट और स्टाफ की भर्ती।

अब गेंद सरकार के पाले में है - क्या ?13 हजार करोड़ के इस फंड की जांच में जिम्मेदारी तय होगी, या रिपोर्ट भी विधानसभा के पटल पर रखकर ठंडे बस्ते में चली जाएगी?

DMF क्या है?

2015 में खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन अधिनियम के तहत हर खनन जिले में DMF बना। खनन कंपनियां रॉयल्टी का 10-30% DMF में जमा करती हैं। उद्देश्य - खनन से सीधे प्रभावित लोगों और क्षेत्रों का विकास।

खेत में उगा रहा था गांजा, पुलिस ने मारी दबिश 112 पौधे जब्त, कीमत 3.50 लाख, 1 गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / बलरामपुर

जिले में नशे के खिलाफ चल रहे ऑपरेशन में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। ग्राम खुखरी के रखैतपारा में खेत में की जा रही गांजे की अवैध खेती का भंडाफोड़ करते हुए बरियों चौकी पुलिस ने 112 नग गांजे के हरे-भरे पौधे जब्त किए हैं, जिनकी अनुमानित कीमत 3 लाख 50 हजार रुपये आंकी गई है। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार कर ठउ्द्धर एक्ट के तहत कार्रवाई की गई है।

पटवारी की सूचना बनी आधार

पुलिस को ग्राम खुखरी के रखैतपारा क्षेत्र में कुछ किसानों द्वारा फसलों की आड़ में गांजे की खेती किए जाने की गोपनीय सूचना मिली थी। यह सूचना राजस्व विभाग के पटवारी के माध्यम से पुलिस तक पहुंची थी। सूचना को गंभीरता से लेते हुए बरियों चौकी प्रभारी ने तत्काल टीम गठित कर खेत में दबिश दी। मौके पर पहुंची टीम ने देखा कि खेत में कतारबद्ध तरीके से गांजे के पौधे लगाए गए थे।

3.50 लाख के 112 पौधे जब्त

पुलिस ने गवाहों के समक्ष सभी 112 पौधों को जड़ सहित उखाड़कर जब्त किया। प्रत्येक पौधे की ऊंचाई लगभग 2 से 4 फीट बताई जा रही है। जब्त गांजे के पौधों को बरियों चौकी लाया गया और विधिवत वजन व पंचनामा कार्रवाई की गई।

एक आरोपी धराया

मामले में खेत के मालिक/कब्जाधारी एक आरोपी को मौके से हिरासत में लिया गया है। पूछताछ में उसने गांजे की खेती करने की बात स्वीकार की है। आरोपी के खिलाफ थाना में धारा 20(a)(b) NDPS एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर न्यायालय में पेश किया गया है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि क्या आरोपी इससे पहले भी गांजे की तस्करी कर चुका है और इसके पीछे कोई बड़ा नेटवर्क तो नहीं है।

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि जिले में अवैध मादक पदार्थों की खेती और तस्करी के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

ऑपरेशन आघात के तहत पुलिस की कार्रवाई : 6 क्विंटल से ज्यादा गांजा बरामद

नई दृष्टिबिंदु / जशपुर

सरगुजा रेंज में नशे के खिलाफ चल रहे ऑपरेशन आघात के तहत जशपुर पुलिस को लगातार दूसरी बड़ी सफलता मिली है। लावाकेरा चेकिंग बैरियर पर पुलिस ने टाटा आईसर ट्रक से 06 क्विंटल 32 किलो 380 ग्राम (632.380 किलो) गांजा बरामद कर एक अंतर्राज्यीय तस्कर को गिरफ्तार किया है। गांजा, ट्रक, मोबाइल और नगदी सहित कुल 3 करोड़ 41 लाख 47 हजार रुपये की जप्ती की गई है।

खाली बोतलों की आड़ में हो रही थी तस्करी : पुलिस को चकमा देने के लिए तस्करों ने नया तरीका अपनाया था। ट्रक में ऊपर की ओर खाली कांच की बोतलों से भरी बोरियां रखी गई थीं, ताकि देखने पर लगे कि कबाड़ का सामान जा रहा है। लेकिन एंटी नारकोटिक्स टीम और थाना तपकरा पुलिस की संयुक्त टीम ने 4 अक्टूबर 2026 को सुबह 10 बजे उड़ीसा की ओर से आ रहे ट्रक क्रमांक UP-47-AT-9839 को संदेह के आधार पर रोका। बोरियों को हटाने पर नीचे 20 बोरियों में टेप से लिपटे 597 पैकेट गांजा मिला।

उड़ीसा से यूपी ले जा रहा था गांजा: हिरासत में लिए गए आरोपी ने अपना नाम विनोद कुमार गुप्ता, 42 वर्ष, निवासी ग्राम बेरिया खलीलपुर, थाना देहात कोतवाली, जिला बहराइच (उत्तर प्रदेश) बताया। पूछताछ में उसने बताया कि वह गांजा उड़ीसा से लेकर उत्तर प्रदेश जा रहा था। उसके पास से कोई वैध दस्तावेज नहीं मिला। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 632.380 किलो गांजा (कीमत 3.16 करोड़), तस्करी में प्रयुक्त ट्रक (कीमत 25 लाख), 2 मोबाइल (25 हजार) और 3 हजार नगद जब्त किया है।

मामले में थाना तपकरा में अपराध क्रमांक 87/2026 धारा 20(बी)(ii)(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी गई है। पुलिस अब एंड-टू-एंड जांच कर रही है कि गांजा कहां से खरीदा गया, यूपी में किसे सप्लाई होना था और इस नेटवर्क में और कौन शामिल है।

2 दिन में दूसरी बड़ी कार्रवाई : गौरतलब है कि 02.10.2026 को भी लावाकेरा बैरियर पर ही 440.630 किलो गांजा बरामद कर 2 तस्करों को गिरफ्तार किया गया था। 2 दिन के भीतर 10 क्विंटल से अधिक गांजा पकड़कर जशपुर पुलिस ने उड़ीसा सीमा से हो रही तस्करी पर कड़ा प्रहार किया है।

इनकी रही सराहनीय भूमिका : इस कार्रवाई में डीएसपी शुभम तिवारी, एसडीओपी कुनकुरी विनोद कुमार मंडावी, थाना प्रभारी तपकरा निरीक्षक त्रिलोक प्रधान, प्रधान आरक्षक मोहन बंजारे, प्रेम सिंह, आरक्षक नंदलाल यादव, अविनाश सोनी, रोशन पैंकरा, बलराम पैंकरा, कृष्णा राम, शिवशंकर राम, विनोद तिर्की सहित एंटी नारकोटिक्स टीम का विशेष योगदान रहा।

एसएसपी का बयान : डीआईजी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर डॉ. लाल उमेद सिंह ने कहा, "सरगुजा रेंज आईजी दीपक कुमार झा के निर्देश पर रेंज स्तर पर बेहतर कोआर्डिनेशन से कार्रवाई हो रही है। तस्करों को बख्शा नहीं जाएगा। इस टीम को नगद पुरस्कार से पुरस्कृत किया जाएगा।"

6 राज्यों में 91.85 लाख की साइबर ठगी : म्यूल अकाउंट के 2 और गिरफ्तार

राजनांदगांव पुलिस की बड़ी कार्रवाई

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

थाना सिटी कोतवाली और साइबर सेल की संयुक्त टीम ने साइबर ठगी में प्रयुक्त म्यूल अकाउंट मामले में 2 और आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। एक आरोपी को 03 अक्टूबर को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

गिरफ्तार आरोपी में जितेन्द्र पाण्डेय (34 वर्ष), दया नगर रिसाली, थाना पद्मनाभपुर, दुर्ग और हिमांशु निर्मलकर (22 वर्ष), संजय नगर वार्ड 15, कुरूद, धमतरी है। इसके पहले गिरफ्तार आरोपी में धनीराम सिन्हा (43 वर्ष), ग्राम जामरी, डोंगरगढ़ शामिल हैं।

क्या है मामला ? : गृह मंत्रालय के I4C समन्वय पोर्टल से मिले इनपुट पर जांच में पता चला कि कउकउकबैंक के खातों का उपयोग 6 राज्यों में हुई 91,85,000 रुपये की साइबर ठगी की रकम को प्राप्त करने और आगे ट्रांसफर करने में किया गया था। खाताधारकों ने जानते हुए भी धोखाधड़ी की रकम का लेनदेन किया।

इस पर थाना सिटी कोतवाली में अपराध क्रमांक 611/26, धारा 317(4), 317(5), 3(5) BNS के तहत केस दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा (IPS), एडिशनल एसपी कीर्तन राठौर और CSP सत्यप्रकाश तिवारी के निर्देशन में निरीक्षक उपेन्द्र कुमार शाह और साइबर सेल प्रभारी विनय पम्मार की टीम ने कार्रवाई की।

क्या है म्यूल अकाउंट ? : ऐसा बैंक खाता जिसका उपयोग साइबर अपराधी ठगी की रकम को छिपाने, ट्रांसफर करने या निकालने में करते हैं। अपराधी लालच या धोखे से लोगों से खाता, अळट, चेकबुक, सिम ले लेते हैं और ठगी की रकम उसमें जमा कर कई खातों में घुमाते हैं।

एडीजी विवेकानंद सिन्हा और आईजी बी.एन. मीणा ने कांकेर में किया पुलिस आरोग्य केंद्र और कंप्यूटर लैब का शुभारंभ

नई दृष्टिबिंदु / कांकेर

पुलिसकर्मियों के स्वास्थ्य, मानसिक सुदृढ़ता और ज्ञानवर्धन की दिशा में कांकेर पुलिस ने नई पहल की है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक नक्सल, वित्त, योजना एवं प्रबंध विवेकानंद सिन्हा (भापुसे) एवं पुलिस महानिरीक्षक बस्तर रेंज बद्रीनारायण मीणा (भापुसे) द्वारा पुलिस रक्षित केंद्र कांकेर में पुलिस आरोग्य केंद्र, कंप्यूटर लैब और पुलिस पुस्तकालय का शुभारंभ किया गया।

आरोग्य केंद्र से मिलेगी सुलभ स्वास्थ्य सुविधा : पुलिस आरोग्य केंद्र का उद्देश्य जवानों और उनके परिजनों को प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं सुलभ कराना है।

संवेदनशील क्षेत्रों में तैनाती और निरंतर फील्ड ड्यूटी को देखते हुए नियमित हेल्थ चेकअप, परामर्श और आवश्यकता पड़ने पर विशेषज्ञ चिकित्सा से समन्वय की सुविधा दी जाएगी।

प्रोजेक्ट दक्ष: 222 जवानों को मिला कंप्यूटर प्रशिक्षण : आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए प्रोजेक्ट दक्ष चलाया जा रहा है। रक्षित केंद्र में कंप्यूटर लैब विकसित की गई है, जहां अब तक 222 पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों को कंप्यूटर और डिजिटल कार्यप्रणाली का प्रशिक्षण दिया जा चुका है।

ज्ञानवर्धन के लिए पुलिस पुस्तकालय : पुस्तकालय में पुलिसिंग, कानून, आपराधिक विधि, विभागीय एवं प्रतियोगी परीक्षाओं, सामान्य ज्ञान और समसामयिक विषयों की पुस्तकें उपलब्ध कराई गई हैं।

मानसिक स्वास्थ्य पर फोकस: 129 जवानों की काउंसलिंग : शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य को भी प्राथमिकता दी जा रही है। रक्षित केंद्र में नियमित योग-मेडिटेशन कराया जा रहा है और मनोरोग विशेषज्ञों से अब तक 129 जवानों की काउंसलिंग कराई गई है।

प्रोजेक्ट करुणा: 24 जवानों को नशे से मिली मुक्ति : प्रोजेक्ट करुणा के तहत नशे की आदत से प्रभावित जवानों को चिन्हांकित कर परामर्श और उपचार दिया जा रहा है। वर्ष 2026 में अब तक 24 पुलिसकर्मियों को नशामुक्त कराया गया है।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक निखिल राखेचा (भापुसे), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आकाश श्रीश्रीमाल (भापुसे), योगेश साहू, एसडीओपी हरीश पाटिल, डीएसपी विंकेश्वरी पिंदे, रक्षित निरीक्षक गोविन्द वर्मा, दीपक साव, थाना प्रभारी जीतेन्द्र साहू सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

कवर्धा में रात 11 बजे हॉस्पिटल की पार्किंग में घुसा तेंदुआ, रेस्क्यू जारी

कवर्धा। शहर के बीचोंबीच तेंदुए की एंट्री से हड़कंप मच गया। घटना शनिवार रात करीब 11 बजे की है, जब स्नेहा हॉस्पिटल के पार्किंग एरिया में तेंदुआ घूमता नजर आया। सीसीटीवी फुटेज में साफ दिख रहा है कि तेंदुआ ऊपर की सीढ़ियों से उतरकर पार्किंग में आया और फिर इधर-उधर भागते हुए बाहर की ओर निकल गया। फुटेज सामने आने के बाद इलाके में दहशत का माहौल है।

सूचना मिलते ही DFO सहित वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सर्च ऑपरेशन शुरू किया। वन अमले ने पूरे क्षेत्र को घेर लिया है और लोगों से अपील की है कि भीड़ न लगाएं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार तेंदुआ रेवाबंद तालाब या आसपास की गौशाला क्षेत्र में छिपा हो सकता है। रेस्क्यू टीम ड्रोन, जाल और ट्रेंकुलाइजर गन के साथ तलाश में जुटी है। इसी दौरान एक महिला के घायल होने की भी सूचना सामने आई है। महिला तेंदुए के हमले में घायल हुई है या अफरा-तफरी में गिरने से चोटिल हुई है, इसकी पुष्टि अभी नहीं हो पाई है।

सेल ने रचा नया कीर्तिमान : एच-1 में अब तक का सर्वश्रेष्ठ उत्पादन और बिक्री, 1,080 करोड़ का कर्ज घटाया

लौह अयस्क उत्पादन में 13% और लौह अयस्क बिक्री में 190% की वृद्धि के साथ 2 .671 मिलियन टन की बिक्री हुई

नई दृष्टिबिंदु / नईदिल्ली-भिलाई

देश की महारत्न कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (SAIL) ने वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) और सितंबर माह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कई नए रिकॉर्ड बनाए हैं। कंपनी ने उत्पादन, बिक्री और दक्षता के मोर्चे पर अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है।

पहली छमाही (H1) के प्रमुख आंकड़े:

कंपनी ने हॉट मेटल, क्रूड स्टील और फिनिश्ड स्टील के उत्पादन में रिकॉर्ड बनाया। हॉट मेटल का उत्पादन 10.2 मिलियन टन (2% वृद्धि), क्रूड स्टील 9.6 मिलियन टन (1% वृद्धि) और फिनिश्ड स्टील 8.39 मिलियन टन (1% वृद्धि) रहा। कुल विक्रेय इस्पात में फिनिश्ड स्टील की हिस्सेदारी बढ़कर 89.2% हो गई, जो पिछले साल 86.8% थी।

हाई-एंड इस्पात उत्पादन में 30% की जबरदस्त वृद्धि के साथ लगभग 2 मिलियन टन का रिकॉर्ड उत्पादन हुआ। लौह अयस्क उत्पादन में 13% और लौह अयस्क बिक्री में 190% की वृद्धि

के साथ 2.671 मिलियन टन की बिक्री हुई, जो अब तक की सर्वश्रेष्ठ है। भारतीय रेलवे को लॉन्ग रेल्स की आपूर्ति 7% और व्हील्स एंड एक्सेल की आपूर्ति 3% बढ़ी। इस अवधि में कंपनी ने 0.145 टळ इन्वेंट्री कम की और लगभग 1,080 करोड़ रुपये का कर्ज घटाया। तकनीकी दक्षता में भी सुधार हुआ, विशिष्ट ऊर्जा खपत 6.17 http://G.Cal/tcs रही।

सितंबर 2026 में भी रफ्तार बरकरार

सितंबर माह में SAIL ने 1.69 मिलियन टन विक्रेय इस्पात बेचकर अब तक की सर्वश्रेष्ठ सितंबर बिक्री दर्ज की, जो पिछले साल से 4% अधिक है। कंपनी के रिटेल ब्रांड SAIL SeQR TMT बार्स की बिक्री 1.5 लाख टन से अधिक रही। टियर-II रिटेल बिक्री में 3% की वृद्धि हुई। स्ट्रक्चरल्स, प्लेट मिल प्लेट्स और जीपी शीट्स/कॉइल्स की भी रिकॉर्ड बिक्री हुई।

फिनिश्ड स्टील का प्रतिशत बढ़कर 92% हो गया। फ्यूल रेट 551 kg/thm रहा, जो अब तक का सर्वश्रेष्ठ सितंबर प्रदर्शन है। लौह अयस्क उत्पादन 8% बढ़ा और बिक्री 134% बढ़कर 0.492 मिलियन टन के रिकॉर्ड पर पहुंची। सितंबर में ही 0.192 MT इन्वेंट्री और 208 करोड़ का कर्ज कम किया गया।

इस प्रदर्शन पर SAIL के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. ए.के. पंडा ने कहा, "ये रिकॉर्ड उपलब्धियां दक्षता, नवाचार और टिकाऊ विकास के प्रति हमारे कार्यबल की सामूहिक प्रतिबद्धता को दशार्ती हैं। SAIL आने वाले महीनों में भारत की औद्योगिक प्रगति में और भी अधिक योगदान देने के लिए अच्छी स्थिति में है।"

खास खबर

नकली सोने के जेवर गिरवी रखकर 8.25 लाख की ठगी, 3 आरोपी हुए गिरफ्तार

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सिटी कोतवाली पुलिस और अउउव टीम ने नकली सोने के जेवर गिरवी रखकर 8.25 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने वाले 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 84.880 ग्राम नकली जेवरात और 4 मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं।

क्या है मामला ?: दिनांक 04 अक्टूबर 2026 को प्रार्थी पवन कुमार जैन (37 वर्ष, निवासी भोई पारा, दुर्ग) ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 28 सितंबर 2026 और 30 सितंबर 2026 को एक महिला और एक पुरुष ने सहेली आर्म्स, श्री शिवम मॉल, दुर्ग में नकली सोने के जेवरात गिरवी रखकर कुल 8,25,000 रुपये नकद ले लिए। रिपोर्ट पर थाना सिटी कोतवाली में अपराध क्रमांक 555/2026, धारा 318(4), 3(5) BNS के तहत केस दर्ज किया गया।

ऐसे पकड़ाए आरोपी : पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रमेश कुमार और मीनाक्षी बाघ को हिरासत में लेकर पूछताछ की, दोनों ने जुर्म कबूल किया। उनके मेमोरेंडम के आधार पर नकली जेवर सप्लाई करने वाले तीसरे आरोपी राजेश अग्रवाल को भी गिरफ्तार किया गया। तीनों को न्यायिक रिमांड पर कोर्ट में पेश किया गया।

आरोपी नकली जेवर को असली बताकर गिरवी रखते और बदले में मोटी रकम ऐंठ लेते थे। गिरफ्तार आरोपी में रमेश कुमार (35 वर्ष), शिवानंद नगर, रायपुर, मीनाक्षी बाघ (39 वर्ष), कादंबरी नगर, दुर्ग और राजेश अग्रवाल (45 वर्ष), कबीर नगर, रायपुर शामिल हैं। सोना या कीमती आभूषण खरीदने-बेचने या गिरवी रखने से पहले शुद्धता की जांच जरूर कराएं, संदिग्ध गतिविधि दिखे तो तुरंत पुलिस को सूचना दें।

सड़क हादसे रोकने यातायात पुलिस दुर्ग का विशेष अभियान, ब्लैक स्पॉट से हाईवे तक निगरानी, शराबी चालकों पर नाइट चेकिंग

दुर्ग। यातायात पुलिस दुर्ग ने जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए विशेष अभियान तेज कर दिया है। ब्लैक स्पॉट, ग्रे स्पॉट से लेकर हाईवे तक लगातार निगरानी और चेकिंग की जा रही है।

अभियान की मुख्य बातें

ब्लैक-ग्रे स्पॉट पर निगरानी: दुर्घटना संभावित स्थानों की पहचान कर समयानुसार चेकिंग और पेट्रोलिंग, 10 फिक्स पॉइंट पर ई-चालानः लापरवाह चालकों पर कार्रवाई के लिए जिले में 10 जगह फिक्स पॉइंट लगाकर ई-चालान की कार्रवाई।

हाईवे पेट्रोलिंग: सड़क पर खड़े खराब और लापरवाही से पार्क वाहनों को हटाया जा रहा है, यातायात सुचारू किया जा रहा है

नाइट में शराबी चालकों पर शिकंजा: रात्रि में विशेष चेकिंग पॉइंट लगाकर ड्रंक एंड ड्राइव की जांच

यातायात पुलिस का कहना है कि उद्देश्य सिर्फ नियमों का पालन कराना नहीं, बल्कि जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में हादसों के कारणों को चिन्हित कर कार्रवाई जारी रहेगी।

यातायात पुलिस की अपील: शराब पीकर वाहन न चलाएं, गति सीमा का पालन करें, हाईवे पर वाहन अनावश्यक खड़ा न करें।

दूध विक्रेता से सोने का लॉकेट झपटने वाले दो आरोपी को दुर्ग पुलिस ने किया गिरफ्तार

वारदात में प्रयुक्त मोटरसाइकिल और करीब 18 हजार रुपए कीमत का सोने का लॉकेट बरामद

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग-भिलाई

थाना पदमनाभपुर क्षेत्र के धनोरा में दूध बांटकर लौट रहे 60 वर्षीय व्यक्ति के गले से सोने का लॉकेट झपटकर फरार हुए दो आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से झपटमारी किया गया सोने का लॉकेट तथा वारदात में प्रयुक्त ल्क्रऊ'४७ी मोटरसाइकिल बरामद की है। दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार 30 सितंबर 2026 को प्रार्थी बीर सिंह, उम्र 60 वर्ष, निवासी गोवर्धन चौक नेवई, थाना नेवई, जिला दुर्ग ने थाना पदमनाभपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि वह अपनी मोटरसाइकिल से धनोरा क्षेत्र में दूध बांटने आए थे। दूध वितरण के बाद वापस घर लौटते समय द मार्क होटल, धनोरा के पास दो व्यक्ति मोटरसाइकिल से मिले। इनमें से एक व्यक्ति ने उनकी मोटरसाइकिल पर पीछे बैठने का बहाना किया। कुछ दूरी आगे जाने के बाद पीछे बैठे व्यक्ति ने उनके गले में पहना सोने का लॉकेट झपट लिया और दोनों आरोपी मोटरसाइकिल से फरार हो गए।

घटना की रिपोर्ट पर थाना पदमनाभपुर में अपराध क्रमांक 613/2026, धारा 304(2), 3(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। पुलिस टीम ने घटना से जुड़े उपलब्ध सुरागों के आधार पर संदेही राहुल सोनी को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में राहुल सोनी ने अपने सहयोगी रोहित उर्फ रोहन नागेश के साथ मिलकर वारदात करना स्वीकार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 18 हजार रुपए कीमत का सोने का एक लॉकेट तथा घटना में प्रयुक्त HF Deluxe मोटरसाइकिल क्रमांक CG 07 BW 7730 बरामद की। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया है।

आरोपियों ने मोटरसाइकिल से घूमते हुए प्रार्थी को रास्ते में रोका। एक आरोपी ने प्रार्थी की मोटरसाइकिल पर पीछे बैठने का बहाना किया और मौका मिलते ही उसके गले से सोने का लॉकेट झपट लिया। इसके बाद दोनों आरोपी मोटरसाइकिल से फरार हो गए। गिरफ्तार आरोपियों में राहुल सोनी (45), निवासी गंजपारा, उत्कल कॉलोनी, दुर्ग तथा रोहित उर्फ रोहन नागेश (27), निवासी गंजपारा, उत्कल कॉलोनी, दुर्ग शामिल हैं। इस कार्रवाई में थाना पदमनाभपुर प्रभारी निरीक्षक राजेश मिश्रा के नेतृत्व में थाना पदमनाभपुर पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। दुर्ग पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि यात्रा के दौरान अपने आभूषण एवं कीमती सामान की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें। किसी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल नजदीकी पुलिस थाना अथवा डायल-112 को सूचना दें। पुलिस के अनुसार अपराध की सूचना समय पर मिलने से आरोपियों की पहचान और उनके विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई में मदद मिलती है।

चिखली पुलिस की कार्रवाई: अशांति फैलाने वाले बदमाश पर BNSS के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

राजनांदगांव। 4 अक्टूबर को पुलिस अधीक्षक सुश्री अंकिता शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन एवं नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती वैशाली जैन के पर्यवेक्षण में जिले में शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत चौकी चिखली पुलिस ने एक बदमाश के खिलाफ कार्रवाई की है। बदमाश का नाम नागेश साहू उर्फ आलोक उर्फ प्रभात साहू पिता उत्तम साहू उम्र 22 साल निवासी वार्ड नंबर 11 चिखली स्कूल के पास शांतिनगर पुलिस चौकी चिखली जिला राजनांदगांव है। आरोपी द्वारा सार्वजनिक स्थान पर वाद-विवाद कर शांति भंग करने तथा अप्रिय घटना घटित होने की संभावना को देखते हुए चौकी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई की। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध धारा 170, 126, 135(3) बीएनएसएस के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई कर माननीय न्यायालय राजनांदगांव के समक्ष पेश किया है।

दुर्ग रेलवे स्टेशन में चेकिंग अभियान के तहत 246 मामलों में 1.59 लाख से अधिक का राजस्व वसूला

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल अंतर्गत दुर्ग रेलवे स्टेशन पर 3 अक्टूबर को व्यापक स्तर पर किलाबंदी टिकट चेकिंग अभियान चलाया गया। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक डॉ. सुस्कर विपुल विलासराव के निर्देश पर आयोजित इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यात्रियों को वैध टिकट लेकर यात्रा करने के प्रति जागरूक करना था।सघन जांच के तहत स्टेशन के सभी प्लेटफॉर्मों तथा 12 ट्रेनों में पड़ताल की गई।

अभियान के दौरान कुल 246 मामले दर्ज कर 1,59,870 रुपए का राजस्व वसूला गया। कार्रवाई में बिना टिकट यात्रा करते 150 यात्री पकड़े गए, जिनसे 1,26,125 रुपए वसूल किए गए। अनियमित टिकट वालेः 39 यात्रियों से 25,745 राजस्व प्राप्त हुआ। अतिरिक्त लगेज के 55 मामलों में 6,000 जुमार्ना वसूला गया। स्टेशन परिसर में कचरा फैलाने वाले 2 मामलों से 2,000 वसूले गए। सहायक वाणिज्य प्रबंधक अविनाश कुमार आनंद, मुख्य वाणिज्य निरीक्षक टिकट चेकिंग और 18 चेकिंग कर्मचारियों की टीम ने इस चेकिंग को अंजाम दिया। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि वे सदैव उचित यात्रा एवं प्लेटफॉर्म टिकट खरीदकर ही यात्रा करें और रेल परिसर को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग दें।

सेवा सेतु शिविर में पहुंचे कमिश्नर और कलेक्टर

दुर्ग। दुर्ग संभाग आयुक्त एस.एन. राठौर और कलेक्टर अभिजीत सिंह आज पाटन के डॉ खूबचंद बघेल सामुदायिक भवन में आयोजित सेवा सेतु शिविर में सम्मिलित हुए। उन्होंने सभी विभागों के स्टाल का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। कृषकों का एग्रीस्टेक, अभिलेख सुधार,स्वामित्व योजना पट्टा वितरण की समीक्षा की गई। कलेक्टर सिंह ने आम जनता से देह दान एवं रक्त दान की अपील भी की। उन्होंने देहदान करने वाले दानदाताओं को मंच से सम्मानित किया। विभिन्न विभागों की हितग्राही मूलक योजनाओं के तहत हितग्राहियों को मंच से प्रमाण पत्र, सामग्री का वितरण किया गया। शिविर में कुल प्राप्त 161 आवेदनों में से 140 आवेदनों का शिविर में ही निराकरण किया गया ।

अखिल भारतीय उड़िया समाज का विस्तार, अजय लुहा दुर्ग जिलाध्यक्ष हुए मनोनीत

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

अखिल भारतीय उड़िया समाज की महत्वपूर्ण बैठक रविवार शाम संपन्न हुई। बैठक में संगठन के विस्तार को लेकर बड़ी जिम्मेदारियां सौंपी गई और सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए गए। बैठक में सर्वसम्मति से अजय लुहा को दुर्ग जिला अध्यक्ष की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई।

बैठक में इसके पश्चात आगामी नुआखाई महोत्सव 2026 की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। तय किया गया कि इस बार नुआखाई पर्व को और भी भव्यता के साथ मनाया जाएगा। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष जेएम तांडी, महासचिव तरुण निहाल, कोषाध्यक्ष दीनबंधु तांडी, संरक्षक कृष्णा सोना, कृष्णा तांडी, रमेश सागर, लखपति, प्रशांत, देवेंद्र,

मनी, हरीश हरपाल, विक्रम तांडी, खुशीराम महानंद, संदीपा तांडी, रीता नायक, संगीता, रानी हरपाल, पूजा सेठिया, अन्नू विभार, सुमित्रा सहित समाज के वरिष्ठजन बड़ी संख्या में उपस्थित थे। नवनियुक्त जिला अध्यक्ष अजय लुहा ने कहा कि समाज को एकजुट कर शिक्षा, संस्कृति और सामाजिक सहयोग के लिए निरंतर कार्य करेंगे ।

नवनियुक्त कार्यकारिणी इस प्रकार है:

दुर्ग जिला अध्यक्ष - अजय लुहा
जिला अध्यक्ष (महिला विंग) - जयंती महानंद
भिलाई शहर अध्यक्ष - पूरन नायक
वैशाली नगर अध्यक्ष - विदुर तांडी
वैशाली नगर महिला विंग अध्यक्ष - सुभद्रा सेठिया
अहिवारा विधानसभा अध्यक्ष - अर्जुन महानंद
अहिवारा महिला विंग अध्यक्ष - कविता तांडी
शहर उपाध्यक्ष - रामभजन
दुर्ग ग्रामीण अध्यक्ष - प्रितम हरपाल
महामंत्री - मोंटू हरपाल
महामंत्री (सहयोग) - मनोज दुर्ग
मीडिया प्रभारी - धरम हरपाल
मंत्री - उमेश बाघ, सुमित सोना

भिलाई-3 में आंगन मिलन कार्यक्रम में हुई विविध प्रतियोगिताएं

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई-3

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक सेवा एवं समर्पण के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में जारी सेवा संकल्प अभियान के तहत भिलाई-3 स्थित वार्ड क्रमांक 15 बजरंग पारा के आंगनबाड़ी केंद्र में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में विविध प्रतियोगिताएं आयोजित कर पारंपरिक गोद भराई और अन्नप्राशन की रस्मों के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के पौष्टिक व्यंजनों की आकर्षक प्रदर्शनी भी लगाई गई। उपस्थित माताओं को बच्चों को कुपोषण से बचाने और उन्हें नियमित रूप से संतुलित व पौष्टिक आहार देने के प्रति जागरूक किया गया। इस दौरान आंगनबाड़ी के नन्हे-मुन्ने बच्चों ने रंगारंग मंचीय सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। रंगोली में भूमिका सिरिया प्रथम, दिव्या द्वितीय, मोमबत्ती जलाओ प्रतियोगिता में प्रिया प्रथम व रिमा कुमार द्वितीय और मेहंदी प्रतियोगिता में

चुलबुल अव्वल रही। साथ ही आंगनबाड़ी संचालन में सहयोग देने के लिए समाजसेवी महिलाओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पार्षद डे साहब वर्मा, पूर्व पार्षद रानी वर्मा, तुलसी मरकाम, भाजपा से गोदावरी यादव, विभागीय सुपरवाइजर इंदु कोशले, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ज्योति राउत, सहायिका जमुना नायक सहित अन्य उपस्थित थे।

भिलाई-3 चरोदा निगम के सोमनी वार्ड में लगेगा सेवा संकल्प अभियान का शिविर

छत्तीसगढ शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग से प्राप्त निर्देश तथा जिला प्रशासन दुर्ग से प्राप्त मार्गदर्शन के अनुशरण में नगर पालिक निगम भिलाई 03 चरोदा प्रशासन द्वारा निरंतर "सेवा संकल्प अभियान" चलाया जा रहा है। जिसमें विभिन्न आयोजन जैसे स्वच्छता कार्य, सफाई करने सार्वजनिक एवं सामाजिक प्रयास सहभागिता शामिल है, साथ विकसित भारत 2047 के संकल्प के तहत शासन की समस्त कल्याणकारी एवं जनहितकारी योजनाओं को जन-जन तक पंहुचाना प्रमुख उद्देश्य है। सेवा सकंल्प अभियान अंतर्गत "सेवा सेतू शिविर" दिनांक 06 अक्टूबर 2026 को वार्ड कं. 38 सोमनी के सामुदायिक भवन में आयोजित किया जायेगा। जिसमें वार्ड के 31 से 40 तक के समस्त नागरिकों से उनके मांग और शिंकायत संबंधी आवेदन स्वीकार किये जायेगें। उक्त शिविर में निगम स्तर के सभी विभागीय कर्मचारी अपने काउंटर पर उपस्थित रहकर नागरिकों की समस्या संबंधी आवेदनों का निराकरण करेंगें। भिलाई 3 चरोदा निगम प्रशासन की ओर से सभी नागरिकों से यह अपील की गयी है कि सेवा संकल्प अभियान के तहत दिनांक 06 अक्टूबर 2026 दिन मंगलवार को सोमनी में आयोजित होने वाले "सेवा सेतू शिविर" में पंहुचकर अपनी समस्या मांग एवं शिकायत संबंधी आवेदन प्रस्तुत करें जिनका निगम द्वारा शीघ्रतापूर्वक निराकरण नियमानुसार किया जायेगा।

बैठक में देवभोग के विस्तार और किसानों को आधुनिक सुविधाएं देने पर दिया जोर

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

छत्तीसगढ़ राज्य सहकारी दुग्ध महासंघ मर्यादित द्वारा एनपीडीडी 2026-27 के अंतर्गत नवीन दुग्ध समितियों के गठन एवं पंजीयन की प्रगति की समीक्षा हेतु रायपुर में एक दिवसीय बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में प्रबंध संचालक डॉ. एम. जयकृष्ण, डिप्टी एमडी डॉ. सैकत सामंत, प्रोजेक्ट हेड के.सी. बेहरा और क्षेत्र संचालन शाखा प्रमुख के.बी. प्रताप सहित समस्त मार्ग पर्यवेक्षक उपस्थित रहे।

बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक से अधिक नई समितियां गठित कर दुग्ध संकलन बढ़ाने और किसानों की भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया। पारदर्शिता लाने के

लिए सभी समितियों में ऑटोमैटिक मिल्क कलेक्शन सिस्टम स्थापित करने पर चर्चा हुई, जिससे डिजिटल डेटा के आधार पर किसानों को समयबद्ध और सुगम भुगतान किया जा सके। किसानों को पशुपालन में मदद के लिए सब्सिडी पर चाफ कटर, कैटल फीड व मिनरल मिक्सर उपलब्ध कराने और नए प्लांट स्थापित करने की संभावनाओं पर विचार किया गया।

साथ ही देवभोग ब्रांड का विस्तार छत्तीसगढ़ के साथ-साथ देश के अन्य हिस्सों में करने का लक्ष्य रखा गया है। इस पूरी कार्ययोजना का मुख्य उद्देश्य सहकारिता के माध्यम से दुग्ध उत्पादकों को बेहतर बाजार और आर्थिक मजबूती प्रदान करना है।

विकास कार्यों की धीमी रफ्तार पर वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने जतायी नाराजगी

मंथली टारगेट तय कर काम में तेजी लाने के निर्देश, गोवर्धनपुर पुल, मरीन ड्राइव और ऑक्सीजोन सहित शहर की विभिन्न विकास परियोजनाओं का किया निरीक्षण

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर-रायगढ़

वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओपी चौधरी ने शहर में चल रहे विभिन्न विकास एवं निर्माण कार्यों का निरीक्षण कर उनकी प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने राजीव नगर दूध डेयरी ऑक्सीजोन, गोवर्धनपुर पुल, बेलादुला मरीन ड्राइव, रपटा-स्टॉप डैम तथा एसईसीएल मरीन ड्राइव एवं पुलिया के निर्माण कार्यों का मौके पर जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान वित्त मंत्री श्री चौधरी ने अधिकारियों और निर्माण एजेंसियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि विकास कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करते हुए निर्माण की गति बढ़ाई जाए और सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि बरसात के बाद निर्माण कार्यों के लिए अनुकूल मौसम का अधिकतम उपयोग करते हुए तेजी से काम आगे बढ़ाया जाए। इसके लिए विभागीय अधिकारी नियमित रूप से कार्यों की मॉनिटरिंग करें और मौके पर आने वाली समस्याओं का तत्काल समाधान सुनिश्चित करें।

गोवर्धनपुर पुल की धीमी प्रगति पर जताई नाराजगी

गोवर्धनपुर पुल के निर्माण कार्य की धीमी प्रगति पर वित्त मंत्री श्री चौधरी ने नाराजगी जताई। उन्होंने सेतु विभाग के इंजीनियरों को निर्माण कार्य के लिए मंथली टारगेट तय करने और हर महीने निर्धारित लक्ष्य की पूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुल निर्माण के साथ ही सड़क निर्माण और विद्युत पोल शिफ्टिंग के कार्यों में भी तेजी लाने को कहा, ताकि सभी संबंधित कार्य समन्वित रूप से पूरे हो सकें।

मरीन ड्राइव में वॉकवे की संभावनाओं पर बनेगा प्लान

बेलादुला मरीन ड्राइव में रपटा और स्टॉप डैम के निर्माण को स्थानीय जरूरतों के अनुरूप विकसित करने के निर्देश दिए गए। एसईसीएल मरीन ड्राइव एवं पुलिया के निरीक्षण के दौरान वित्त मंत्री ने स्वीकृत ड्राइंग और डिजाइन के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण निर्माण सुनिश्चित करने को कहा। उन्होंने नदी के बीच वॉकवे विकसित करने की संभावनाओं का परीक्षण कर कार्ययोजना तैयार करने तथा मरीन ड्राइव की मुख्य सड़क और हाईवे से बेहतर कनेक्टिविटी के लिए आवश्यक कार्यों का एस्टीमेट तैयार करने के निर्देश भी दिए।

राजीव नगर दूध डेयरी ऑक्सीजोन सहित अन्य विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए वित्त मंत्री श्री चौधरी ने संबंधित विभागों को बेहतर आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी, बेहतर सामग्री के उपयोग और गुणवत्ता मानकों का विशेष ध्यान रखने को कहा।

निरीक्षण के दौरान महापौर जीवर्धन चौहान, कलेक्टर मयंक चतुवेर्दी, नगर निगम आयुक्त बृजेश सिंह क्षत्रिय सहित नगर निगम, हाउसिंग बोर्ड, लोक निर्माण विभाग, सेतु विभाग एवं एसईसीएल के अधिकारी, कार्यपालन अभियंता, इंजीनियर, स्थानीय पार्षद एवं जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।

खास खबर

गुढ़ियारी के लक्ष्मी विनायक ज्वेलर्स में दीवार में छेद कर चोरी, 2 आरोपी गिरफ्तार, 14.51 लाख का माल बरामद

रायपुर। गुढ़ियारी क्षेत्र के रामनगर स्थित श्री लक्ष्मी विनायक ज्वेलर्स में हुई बड़ी चोरी का रायपुर कमिश्नरेट पुलिस ने खुलासा कर दिया है। एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और रामनगर चौकी की संयुक्त टीम ने 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी में विशाल सचदेव (38 वर्ष), आरएस बर्फ फैक्ट्री, आजाद चौक, रायपुर – मास्टरमाइंड और सूरज ढीमर (32 वर्ष), मूल निवासी जबलपुर (MP), हाल बेलसुंडा, महासमुंद है एक अन्य आरोपी फरार है।

क्या था मामला? : प्रार्थी सुनील जैन ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि 29.09.2026 की रात दुकान बंद कर घर चला गया था। 30 सितंबर 2026 को सुबह 10:30 बजे दुकान खोली तो दाहिनी दीवार की प्लाई गिरी थी, दीवार में बड़ा छेद था और डिस्प्ले में रखे सोने-चांदी के जेवर गायब थे। थाना गुढ़ियारी में अपराध क्रमांक 430/26, धारा 331(4), 305(अ) बीएनएस के तहत केस दर्ज किया गया।

DCP क्राइम एंड साइबर स्मृतिक राजनाला और DCP उत्तर जोन दीपमाला कश्यप की मॉनिटरिंग में पुलिस ने हजारों सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी विश्लेषण से आरोपियों तक पहुंची।

कैसे दिया वारदात को अंजाम? : मास्टरमाइंड विशाल सचदेव ने महासमुंद में बर्फ फैक्ट्री खोली थी, लाखों का कर्ज लिया था। फैक्ट्री नहीं चली और कर्जदारों का दबाव बढ़ा तो उसने अपनी फैक्ट्री के कर्मचारी सूरज ढीमर और एक अन्य के साथ मिलकर चोरी की प्लानिंग की। आरोपियों ने दुकान की कई दिनों तक रेकी की। 26-27 सितंबर की रातः दीवार में आधा छेद कर वापस लौट गए। 29-30 सितंबर की रातः उसी छेद को बड़ा कर दुकान में घुसे और जेवर चोरी कर फरार हो गए। उनसे सोने के आभूषण – 50,000 रुपये, चांदी के आभूषण 3.5 किलो – 7,91,700 रुपये, आर्टिफिशियल ज्वेलरी – 10,000 रुपये, घटना में प्रयुक्त स्विफ्ट कार CG 04 MT 8303 और बिना नंबर एक्टिवा सहित कुल – 14,51,700 रुपये का माल जब्त किया गया है। पुलिस फरार आरोपी की तलाश कर रही है।

मड़ेली हत्याकांड : आरोपी को आजीवन कारावास, लकड़ी के बत्ते से की थी युवक की हत्या

नई दृष्टिबिंदु / कुरुद-धमतरी

धमतरी जिले के मड़ेली गांव में आपसी विवाद के दौरान युवक के सिर पर लकड़ी के बत्ते से हमला कर हत्या करने वाले आरोपी को अदालत ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश ने साक्ष्य-आधारित विवेचना के आधार पर आरोपी चेतन साहू पिता बाहरा राम साहू को भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) के तहत दोषी मानते हुए सश्रम आजीवन कारावास और अर्थदंड से दंडित किया है।

विवाद के बाद सिर पर किया वार : घटना 15 मार्च 2025 की है। ग्राम मड़ेली के भाठापारा गौठान के पास विवाद के दौरान आरोपी ने गजेंद्र साहू उर्फ बिट्टू के सिर पर लकड़ी के बत्ते से जानलेवा हमला कर दिया था। गंभीर चोट लगने से अस्पताल में उपचार के दौरान गजेंद्र की मौत हो गई थी। मामले में कुरुद थाना की बिरेझर चौकी में अपराध क्रमांक 85/2025 दर्ज किया गया था।

बत्ते से लेकर FSL रिपोर्ट तक जुटाए साक्ष्य : पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर गवाहों के बयान दर्ज किए। आरोपी के मेमोरेंडम के आधार पर वारदात में इस्तेमाल लकड़ी का बत्ता बरामद कर ऋछ जांच के लिए भेजा गया। अन्य परिस्थितिजन्य और महत्वपूर्ण साक्ष्य जुटाकर समय पर न्यायालय में चालान पेश किया गया।

विवेचक को मिलेगा पुरस्कार: अभियोजन द्वारा प्रस्तुत साक्ष्यों को स्वीकार करते हुए न्यायालय ने आरोपी को दोषी ठहराया। पुलिस अधीक्षक धमतरी भावना पांडेय ने प्रभावी विवेचना और साक्ष्य संकलन के लिए तत्कालीन बिरेझर चौकी प्रभारी एवं विवेचक निरीक्षक चंद्रकांत साहू के कार्य की सराहना करते हुए पुरस्कृत करने की घोषणा की है।

सकारात्मक सोच, मानवीय मूल्य और नवाचार से ही जीवन में आगे बढ़ने का मार्ग प्रशस्त होता है : राज्यपाल डेका

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

राज्यपाल रमेन डेका रोल- बोल सामाजिक संस्था द्वारा आयोजित रोल बोल यूथ कॉन्क्लेव-2026 में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने सकारात्मक सोच, मानवीय मूल्यों, नवाचार और तकनीक के जिम्मेदार उपयोग को जीवन की सफलता के लिए महत्वपूर्ण बताया। मेडिकल कॉलेज के सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम में राज्यपाल श्री डेका ने अपने प्रेरक उद्बोधन में कहा कि जीवन में सकारात्मकता बहुत आवश्यक है। हमें हमेशा सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए। नकारात्मक सोच के साथ सफलता प्राप्त करना कठिन है। उन्होंने कहा कि रोल-बोल-रेस्ट ऑफ लाइफ, बेस्ट ऑफ लाइफ जीवन को सकारात्मक दृष्टि से देखने और अपने साथ-साथ दूसरों के जीवन को बेहतर बनाने की सोच का संदेश देता है।

उन्होंने स्वामी विवेकानंद के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि जो हो गया, उसे पीछे छोड़कर और भविष्य की अनावश्यक चिंता किए बिना वर्तमान पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। हमारे जीवन की सफलता केवल व्यक्तिगत उपलब्धियों से नहीं, बल्कि इस बात से भी जुड़ी है कि हमने कितने अच्छे संबंध बनाए हैं और परिवार, रिश्तेदारों, मित्रों तथा पड़ोसियों के साथ हमारे संबंध कैसे हैं। राज्यपाल ने कहा कि हार को भी स्वीकार करना चाहिए, क्योंकि हार हमें कठिन परिश्रम करने और अगली बार बेहतर प्रदर्शन कर जीत हासिल करने की प्रेरणा देती है। उन्होंने कहा कि आज इंटरनेट और तकनीक ने पूरी दुनिया को हमारी पहुंच में ला दिया है। गूगल के माध्यम से बहुत-सी जानकारियां आसानी से उपलब्ध हो जाती हैं, लेकिन युवाओं में मौलिक सोच, मानसिक अभ्यास और स्वयं खोज करने की क्षमता विकसित होना भी जरूरी है।

उन्होंने कहा कि नई खोज, नवाचार और नई संभावनाओं को तलाशने की क्षमता मानव जीवन की विशेषता है। विज्ञान और तकनीक ने जीवनशैली में व्यापक परिवर्तन किए हैं और इसका प्रमुख आधार निरंतर नवाचार है। शिक्षा का उद्देश्य केवल जानकारी प्राप्त करना नहीं, बल्कि मानव जीवन को बेहतर बनाना भी है। तकनीक का विकास निरंतर जारी रहेगा, लेकिन उसका उपयोग समाज और मानवता के हित में होना चाहिए। श्री डेका ने युवाओं से कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग सोच-समझकर और जिम्मेदारी के साथ करें। सोशल मीडिया पर फेक न्यूज, भ्रामक सामग्री और डीपफेक जैसी चुनौतियों से स्वयं को और समाज को सुरक्षित रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि मशीन बुद्धिमान हो सकती है, लेकिन मानवता मनुष्य के भीतर ही रहती है। तकनीक कितनी भी विकसित हो जाए, वह मानवीय संवेदनाओं और मूल्यों का स्थान नहीं ले सकती।

उन्होंने कहा कि जीवन में चरित्र का बहुत महत्व है। हमें अपने संबंधों को सहेजकर रखना चाहिए और सफलता मिलने पर भी विनम्र बने रहना चाहिए। ज्ञान लीजिए, ज्ञान दीजिए और इसका दान करिए यही सच्ची मानवीय परंपरा है। राज्यपाल ने कहा कि मानव का बौद्धिक गुण सर्वोपरि है। तकनीक का उपयोग रचनात्मक कार्यों और समाज के कल्याण के लिए होना चाहिए, न कि विनाश के लिए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस कार्यक्रम के माध्यम से युवा एक सकारात्मक संदेश लेकर जाएंगे

कार्यक्रम में कौशल उन्नयन, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री गुरु खुशवंत साहिब, बॉलीवुड संगीतकार मोंटी शर्मा, रोल-बोल संस्था के पदाधिकारी तथा राजनीति, मीडिया, उद्योग और सिनेमा से जुड़े विशिष्टजन उपस्थित थे।

अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा के राष्ट्रीय अधिवेशन में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

राष्ट्रीय अधिवेशन में सामाजिक एकजुटता और समाज हित पर हुआ मंथन

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

उप मुख्यमंत्री अरुण साव महाराष्ट्र के बीड में आयोजित अखिल भारतीय तैलिक साहू महासभा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक और सामान्य सभा में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। देशभर से आए पदाधिकारियों और प्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय अधिवेशन में समाज के विकास और सामाजिक हित पर चर्चा की। श्री साव ने वहां काकू स्मृति स्थल में स्व. केशरबाई क्षीरसागर केशर काकू को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके योगदान को नमन किया।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव के मुख्य आतिथ्य में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी समिति की बैठक में समाज हित के विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। संगठन की गतिविधियों और सामाजिक हित से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। श्री साव ने कहा कि तैलिक समाज अपने परिश्रम और ईमानदारी की वजह से देश का प्रतिष्ठित और व्यापक समाज है। हमें समाज के हर वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़ने और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूकता बढ़ाने, शिक्षा के क्षेत्र में समाज को प्रभावी रूप से जोर देना चाहिए। इस तरह के मंच संवाद और सहभागिता को मजबूत करते हैं। सोनाजीराव क्षीरसागर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज परिसर में श्री साव ने स्वर्गीय केशरबाई क्षीरसागर श्केशर काकूश के छायाचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

श्री साव ने केशर काकू को समाज के नींव के रूप में स्मरण किया। केशर काकू महाराष्ट्र विधानसभा में विधायक के रूप में अपनी सेवाएं दे चुकी हैं। तैलिक समाज के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष के दायित्व के दौरान उन्होंने देशभर की इकाईयों को एक छत के नीचे एकजुट कर समाज के उत्थान में हर वर्ग को किस तरह अपनी भूमिका निभानी चाहिए, इस पर जोर दिया। समाज की महिलाओं को सभी क्षेत्रों में अपनी भूमिका सुनिश्चित कर समाज के हित में कार्य करने प्रेरित किया। श्री साव ने श्केशर काकूश की स्मृति में आयोजित प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया।

श्री साव ने कहा कि महासभा की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष केशर काकू ने संगठन को मजबूत बनाने में कैसे महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, इससे सभी पदाधिकारियों को सीखना चाहिए। वर्तमान में उनके सुपुत्र महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री जयदत्त क्षीरसागर समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष की भूमिका निभाते हुए समाज को एकजुट कर बेहतर कार्य कर रहे हैं। केशर काकू के कार्यों और संकल्पों को पूरा करने का कार्य जयदत्त क्षीरसागर कर रहे हैं।

संवाद से समाधान : पुलिस कमिश्नर ने दिव्यांग बच्चों से किया आत्मीय संवाद, सीखी साइन लैंग्वेज

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

संवाद से समाधान कार्यक्रम के तहत पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला ने अर्पण दिव्यांग पब्लिक स्कूल, राजेंद्र नगर के बच्चों से C-4 सभाकक्ष में आत्मीय मुलाकात की। कमिश्नर शुक्ला ने बच्चों से उनके प्रशिक्षण, स्कूली शिक्षा और दैनिक गतिविधियों के बारे में जाना। बच्चों के साथ सहज संवाद के दौरान उन्होंने साइन लैंग्वेज (इशारों की भाषा) की बेसिक बातें भी सीखीं और बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

कार्यक्रम में बच्चों को पुलिस कंट्रोल रूम और सिविल लाइन थाना का शैक्षणिक भ्रमण भी कराया गया। बच्चों ने पूरे आत्मविश्वास और परिपक्वता के साथ पुलिस अधिकारियों से बातचीत की, अपनी दैनिक दिनचर्या, क्रिकेट और फिल्मों के प्रति रुचि साझा की। इस दौरान DCP मध्य जोन तारकेश्वर पटेल, अर्पण संस्था से डॉ. राकेश पांडेय, को-ऑर्डिनेटर सीमा छाबड़ा, प्रिंसिपल कमलेश शुक्ला, शिक्षकगण और पुलिस अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस अधिकारियों ने कहा कि नियमित पुलिसिंग की व्यस्तता के बीच बच्चों के साथ बिताया यह समय सुखद, आत्मीय और नई ऊर्जा देने वाला रहा। बच्चों की सहज और सकारात्मक अभिव्यक्ति ने सभी को प्रभावित किया।

सिंगापुर प्रवास का पहला दिन : मुख्यमंत्री साय की गार्डन्स बाय द बे के साथ महत्वपूर्ण चर्चा

सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन के लीडरशिप डिनर में हुए शामिल, SING फोरम 2026 में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं मुख्यमंत्री साय

नई दृष्टिबिंदु / रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधिमंडल भारत सरकार के विदेश मंत्रालय द्वारा नामांकन के उपरांत सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन द्वारा आयोजित प्रथम सिंगापुर-इंडिया नेटवर्क फॉर ग्रोथ फोरम 2026 में सहभागिता के लिए सिंगापुर प्रवास पर है। सिंगापुर प्रवास के पहले दिन मुख्यमंत्री श्री साय एवं छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधिमंडल ने विश्व प्रसिद्ध गार्डन्स बाय द बे के जनरल मैनेजर, मास्टर प्लानिंग जेसन येओ तथा डायरेक्टर लिम चियाप सॉन्ग सहित संस्थान के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ औपचारिक बैठक की।

बैठक के दौरान छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधिमंडल को गार्डन्स बाय द बे की मास्टर प्लानिंग, सतत डिजाइन और उद्यान प्रबंधन से जुड़ी उत्कृष्ट कार्यप्रणालियों की जानकारी दी गई। दोनों पक्षों के बीच उद्यानिकी, वनस्पति संरक्षण, शहरी हरियाली, ईको-टूरिज्म और क्षमता विकास के क्षेत्रों में संस्थागत सहयोग की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ समृद्ध वनों और जैव विविधता से परिपूर्ण प्रदेश है। गार्डन्स बाय द बे की विशेषज्ञता और अनुभवों का लाभ नवा रायपुर में बॉटनिकल गार्डन के विकास के साथ ही प्रदेश के शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर लैंडस्केपिंग और हरित क्षेत्रों के विस्तार में लिया जा सकता है। इससे छत्तीसगढ़ में पर्यटन की संभावनाओं को नया विस्तार मिलेगा, पर्यटकों की संख्या बढ़ेगी और सैकड़ों लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय शाम को SING फोरम की पूर्व संध्या पर सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन द्वारा आयोजित लीडरशिप डिनर में शामिल हुए। इस अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त डॉ. शिल्पक अंबुले, सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन के चेयरमैन मार्क ली और सीईओ कोक पिंग सून उपस्थित थे। लीडरशिप डिनर में सिंगापुर बिजनेस फेडरेशन के सदस्यों के साथ मास्टरकार्ड, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, नेस्ले और द इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड के वरिष्ठ प्रतिनिधि तथा छत्तीसगढ़ के 7 सदस्यीय और हरियाणा के 26 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने भी सहभागिता की। यह आयोजन भारतीय राज्यों और सिंगापुर के व्यावसायिक समुदाय के बीच निवेश, व्यापार और दीर्घकालिक आर्थिक साझेदारी को लेकर संवाद का महत्वपूर्ण मंच बना।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर छत्तीसगढ़ को तेजी से उभरते निवेश गंतव्य के रूप में प्रस्तुत किया। उन्होंने प्रदेश की प्रगतिशील औद्योगिक नीति, ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के लिए किए गए सुधारों तथा एमएसएमई, स्टार्टअप और मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में उपलब्ध व्यापक अवसरों की जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने सिंगापुर के उद्योग जगत को विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की यात्रा में सहभागी बनने और प्रदेश में निवेश के अवसरों का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय 5 अक्टूबर को SING फोरम 2026 में सहभागिता करेंगे। इसके पश्चात 6 अक्टूबर को सिंगापुर की प्रमुख कंपनियों और निवेश संस्थानों के शीर्ष नेतृत्व के साथ आयोजित सीईओ राउंडटेबल में छत्तीसगढ़ की निवेश संभावनाओं और आर्थिक साझेदारी के अवसरों पर विस्तृत चर्चा करेंगे।

संपादकीय

अखिलेश ने परिमल को प्रत्याशी बनाकर सबको चौंका दिया

राजनीति में कई राजनीतिक दल ऐसे होते हैं जो वह कहते हैं, बरसों तक कहते हैं और अचानक वह उसके उलट फैसला करते हैं तो सबको हैरत होती है कि ऐसा कैसे हो गया। राजनीति में विचारधारा की राजनीति करने वाले राजनीतिक की पहचान ही उनकी विचारधारा होती है। जब वह विचारधारा वाली राजनीति को अचानक बदल देते हैं तो सब हैरत में आकर कहते हैं कि इस राजनीतिक दल के नेता से तो ऐसी उम्मीद नहीं थी।यूपी की समाजवादी पार्टी के नेता मुलायम सिंह यादव हो या उनके सुपुत्र अखिलेश यादव हो। वह हमेशा गर्व से खुद को समाजवादी कहते रहे हैं। समाजवादी मतलब होता है कि पूंजीवाद के घोर विरोधी। इसलिए समाजवादी मूलत: पूंजीवाद के प्रखर विरोधी माने जाते रहे हैं। लेकिन वर्तमान में समाजवादी पार्टी के नाम से लग सकता है कि इसके नेता प्रखर पूंजीवाद विरोधी होंगे। उनकी पार्टी में पूंजीपतियों के लिए कोई जगह नहीं होगी। लेकिन वक्त के समाजवादी बदले हैं और उनके विचार भी बदले हैं।

वर्तमान में राजनीति करनी है तो उसके लिए बहुत पैसा लगता है और पैसा तो पूंजीपति के पास होता है। इसलिए किसी राजनीतिक दल का नाम समाजवादी पार्टी हो तो वह लोगों को बताने के लिए होता है कि हम वैचारिक तौर पर समाजवादी विचारधारा वाले हैं यानी हम गरीबों,वंचितों,पीड़ितों के लिए लडने वाले है, उनके लिए राजनीति करने वाले हैं। हमारी राजनीति अमीरों के लिए नहीं है।मुलायम सिंह यादव के समय जो समाजवादी पार्टी थी, वह अखिलेश यादव के समय से वैचारिक रूप से जितनी बदली है,व्यवहारिक से उससे ज्यादा बदल गई है।समाजवादी पार्टी के नेता, कार्यकर्ता पीडीए के हैं यानी पिछड़े वर्ग,दलित व अल्पसंख्यक है। यह अखिलेश यादव के समय की समाजवादी पार्टी है यानी सपा जो है वह राजनीतिक तौर पर, वैचारिक तौर पर पिछड़ों की है, दलितों की है और अल्पसंख्यकों की है। यानी पार्टी में नेता इसी वर्ग होंगे, पदाधिकारी इसी वर्ग के होंगे,चुनाव में टिकट इन्हीं वर्ग के लोगों को टिकट दी जाएगी लेकिन जब राज्यसभा में किसी को भेजना होगा तो अखिलेश यादव भेजने में हिचकते नहीं है।

वैचारिक राजनीति की जगह व्यवहारिक राजनीति सभी राजनीतिक दल करते हैं।यही राजनीति अखिलेश यादव ने की है धनराज परिमल नाथवानी को राज्यसभा का प्रत्याशी बनाकर। सपा के आलोचक इस बात के लिए अखिलेश यादव की घोर आलोचना कर रहे हैं कि समाजवादी पार्टी का राजसभा प्रत्याशी तो पीडीए में से होना चाहिए, फिर अखिलेश यादव ने एक पूंजीपति वह भी अंबानी परिवार के करीबी को कैसे राज्यसभा प्रत्याशी बना दिया। यह तो पार्टी के पीडीए लोगों के साथ धोखा है। यह तो पार्टी की विचारधारा के खिलाफ है, नाम के खिलाफ है।फिर भी अखिलेश यादव ने ऐसा किया है तो उसकी वजह यह है कि वक्त के साथ हर विचारधारा में मिलावट होती है, जिसे वैचारिक राजनीति के जगह व्यवहारिक राजनीति कहा जाता है और कहा जाता है कि ऐसा करना हर राजनीतिक दल की मजबूरी है।

चुनाव लड़ने व संगठन को चलाने के लिए बहुत पैसा लगता है इसलिए समाजवादी नाम वाले राजनीतिक दलो को भी पूंजीपतियों की जरूरत रहती है।यही वजह है कि ज्यादातर राजनीतिक दल अपने दल में भले पूंजीपतियों को कोई पद न दें लेकिन जब राज्यसभा की बात आती है और कोई पैसा वाला उस पद पर जाना चाहता है तो उसे वह पद दे दिया जाता है।पद दिया जाता है इस शर्त पर कि वह पार्टी को आर्थिक तौर पर मदद करेगा। यानी पद लो और पैसा दो। पार्टी को आर्थिक तौर पर मजबूत करने के लिए समाजवादी पार्टी ने राज्यसभा का एक टिकट धनराज परिमल नथवानी को दे दिया।यह न तो हैरत की बात है, न ही आलोचना की बात है।अब समाजवादी होने के मतलब यह नहीं रह गया है कि कोई धन के खिलाफ है, पूंजीपतियों के खिलाफ है। अब समाजवादी मतलब हो गया है कि पैसा भी जरूरी है, पूंजीपति का सहयोग भी जरूरी है।

यही वजह है कि मुलायम सिंह ने समाजवादी होते हुए भी पैसा भी बनाया,पूंजीपतियों का सहयोग भी लिया, वही अखिलेश यादव भी कर रहे हैं क्योंकि चुनाव लड़ने व पार्टी संगठन को चलाने के लिए पैसा आज और जरूरी हो गया है। विश्लेषक तो मानते हैं कि अपने समय में जो मुलायम सिंह यादव ने नहीं किया था वह भी अखिलेश यादव कर रहे हैं,उसे अब नियो समाजवाद कहा जाता है.अखिलेश के नियो समाजवाद में किसी से कोई परहेज नहीं है.जो भी उनकी चुनावी जीत के लिए जरूरी है,अखिलेश उसे अपनाने में झिझकते नहीं है। उसके लिए आलोचना होगी तो वह उस आलोचना की परवाह नहीं करते।राहुल गांधी व अखिलेश यादव की तुलना की जाए तो वह राहुल गांधी से कई मामलों में ज्यादा लचीले हैं अगर उनको चुनाव जीतना है।राहुल गांधी के लिए अडानी-अंबानी के निकटस्थ लोगों से बात करना संभव नहीं है तो अखिलेश के लिए यह कोई मुश्किल काम नहीं है, वह अंबानी बेटे की शादी में जा सकते हैं, वह अंबानी के करीबी के बेटे को राज्यसभा भेज सकते हैं।

अखिलेश यादव को चुनाव जीतने के लिए साफ्ट हिंदुत्व की जरूरत है तो वह मंदिर बनवा सकते हैं, शंकराचार्य से मिल सकते हैं,वह हनुमान चालीसा का सहारा ले सकते हैं,ज्योतिष में आस्था प्रकट कर सकते हैं,वह विकास,एआई,लैपटाप की राजनीति को धर्म, अनुष्ठान से जोड़ सकते हैं.वह खुद को सनातनी बताने के लिए सपा मुख्यालय के बाहर सनातन ही समाजवादी का बोर्ड लगा सकते है।बीजेपी ने अखिलेश यादव की इस नई रणनीति को नया नाटक कहा है। योगी आदित्यनाथ ने तो तंज करते कहा है कि अब अखिलेश एक दिन भगवा पहने हुए भी दिख सकते हैं।राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अखिलेश को चुनाव जीतने के लिए जो कुछ करना पड़े वह उसके लिए प्रयास करते हैं और प्रयोग भी करते है।यही वजह है कि वह यूपी की राजनीति में आज भी दूसरे नंबर पर हैं और बने रहना चाहते हैं।वह जो कुछ भी करते हैं दूसरे नंबर पर बने रहने के लिए करते हैं क्योंकि दूसरे नंबर पर रहेंगे तो एक नंबर बन सकते हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का रेडियो कार्यक्रम ' मन की बात ' है करोड़ों भारतीयों की प्रेरणा का जनमंच

वासुदेव देवनानी, राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष

हर महीने का आखिरी रविवार। रेडियो पर एक परिचित आवाज। सामने न कोई चुनावी सभा, न राजनीतिक नारों का शोर। एक प्रधानमंत्री देशवासियों से संवाद करते हैं और इस संवाद के केंद्र में अक्सर वे लोग होते हैं, जिनकी पहचान कभी अपने गांव, कस्बे या जिले की सीमाओं से आगे नहीं हो पाई। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 3 अक्टूबर 2014 को विजयादशमी के दिन शुरू हुआ 'मन की बात' रेडियो कार्यक्रम इस वर्ष 3 अक्टूबर 2026 को अपने 12 वर्ष पूरे करने जा रहा है । 30 सितंबर 2026 तक प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम की 138वीं कड़ी पूरी हो चुकी है। 138वीं कड़ी गत 27 सितंबर 2026 को प्रसारित हुई थी। इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी शिक्षा, पर्यावरण, जल संरक्षण, कृषि, खेल, स्थानीय उत्पाद, संस्कृति और सामाजिक सेवा से जुड़े अनेक विषयों और नागरिकों के प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर आम जनता के सामने लाये है।

'मन की बात' की एक खासियत इसका विषय चयन है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अक्सर ऐसी कहानियां सामने रखते हैं, जिनकी शुरूआत किसी बड़े संस्थान से नहीं, बल्कि किसी व्यक्ति, समूह या स्थानीय समुदाय से होती है। जैसे किसी किसान का नवीन प्रयोग, किसी महिला समूह का काम, किसी शिक्षक की पहल या किसी पर्यावरण कार्यकर्ता का वर्षों का प्रयास आदि।

जब छोटी पहल बनी बड़ी कहानी

कार्यक्रम के शुरूआती वर्षों में राजस्थान के अलवर के पवन आचार्य का सुझाव इसका उल्लेखनीय उदाहरण बना। उन्होंने दीपावली पर मिट्टी के दीये खरीदने की अपील की, ताकि स्थानीय कुम्हारों की आजीविका को सहारा मिले।प्रधानमंत्री ने उनके संदेश को देश के सामने रखा। यह प्रसंग बताता है कि मन की बात में नागरिकों के सुझाव केवल सुने ही नहीं जाते, बल्कि कभी-कभी उन्हें व्यापक सामाजिक संदर्भ भी मिलता है।

जल संरक्षण भी कार्यक्रम के स्थायी विषयों में रहा है। 2016 में राजस्थान की प्राचीन बावड़ियों और तत्कालीन जल स्वावलंबन प्रयासों का उल्लेख हुआ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राजस्थान और गुजरात जैसे जल-संकट वाले क्षेत्रों में पारंपरिक जल संरचनाओं को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता पर जोर दिया। 2019 में जालौर की दो ऐतिहासिक बावड़ियों की कहानी सामने आई जालौर की पंचायतों के लोगों ने गंदगी और गाद से भरी बावड़ियों को सामूहिक श्रम और आर्थिक सहयोग से फिर उपयोगी बनाया। यह उदाहरण जल संरक्षण को सरकारी योजना से आगे सामुदायिक जिम्मेदारी के रूप में प्रस्तुत हुआ।2022 में उदयपुर की सुल्तान की बावड़ी का उल्लेख इसी परंपरा को आगे बढ़ाता है। उपेक्षित हो चुकी इस ऐतिहासिक जल संरचना को देखकर कुछ युवाओं ने उसे पुनर्जीवित करने का संकल्प लिया।सदियों पुरानी जल-संस्कृति और नई पीढ़ी की पहल का यह मेल मन की बात के उस व्यापक सूत्र से जुड़ता है, जिसमें स्थानीय विरासत को वर्तमान जरूरतों से जोड़ा जाता है।

पर्यावरण से लोकभागीदारी तक

मन की बात में पर्यावरण संरक्षण का दायरा पेड़ लगाने से लेकर स्थानीय जैव-विविधता तक फैला है।राजस्थान के लिए इसका एक उल्लेखनीय उदाहरण जैसलमेर है। नवंबर 2024 की 116वीं कड़ी में प्रधानमन्त्री जी ने बताया गया कि वहां महिलाओं की एक टीम ने एक घंटे में 25 हजार पौधे लगाए। एक ही स्थान पर पांच हजार से अधिक लोगों की भागीदारी का भी उल्लेख हुआ। राजस्थान की पहचान केवल रेगिस्तान और किलों से नहीं, बल्कि जल, वन्यजीव और ऊर्जा से भी जुड़ती है। गोडावण जैसे संकटग्रस्त पक्षी का संरक्षण और राज्य की नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता ऐसे विषय हैं, जिनके माध्यम से राजस्थान राष्ट्रीय पर्यावरणीय विमर्श का हिस्सा बनता जा रहा है।

कृषि के क्षेत्र में भी राजस्थान की अलग पहचान उभरी।2025 की 121वीं कड़ी में प्रधानमंत्री ने राजस्थान में लीची की खेती करने वाले जितेन्द्र सिंह रणावत का उल्लेख किया।लीची को सामान्यतः बिहार, पश्चिम बंगाल और झारखंड से जोड़ा जाता रहा है, लेकिन राजस्थान में इसका सफल उत्पादन कृषि प्रयोग और क्षेत्रीय नवाचार का उदाहरण बनकर सामने आया।

नागरिक से राष्ट्रीय पहचान तक

मन की बात का एक और महत्वपूर्ण पहलू डिजिटल और स्थानीय उद्यमिता है।2022 में अजमेर के सेठा सिंह रावत का उदाहरण सामने आया, जिन्होंने कोविड काल में पारंपरिक सिलाई के काम को ऑनलाइन व्यवसाय में बदलने की कोशिश की। दर्जी ऑनलाइन के माध्यम से उनका प्रयास यह दिखाता है कि छोटे शहरों के पारंपरिक कौशल भी डिजिटल अर्थव्यवस्था से जुड़ सकते हैं।इसी तरह कार्यक्रम में किसानों, स्वयं सहायता समूहों, कारीगरों और छोटे उद्यमियों के प्रयोगों को सामने लाने से वोकल फॉर लोकल जैसे विचारों को सामाजिक और आर्थिक संदर्भ मिला।फरवरी 2026 की 131वीं कड़ी में प्रधानमंत्री ने भारतीय निमार्ताओं से खरीदारी और भारतीय उत्पादों के समर्थन की अपील भी की।

2026 : नई कहानियों का सिलसिला

2026 की 130वीं कड़ी 25 जनवरी को प्रसारित हुई।इसमें आजमगढ़ की तमसा नदी के पुनरोद्धार को जनभागीदारी का उदाहरण बताया गया। पन्ना के बीट गार्ड जगदीश प्रसाद अहिरवार द्वारा औषधीय पौधों से जुड़ी जानकारी संकलित करने के प्रयास का भी उल्लेख हुआ। 26 अप्रैल की 133वीं कड़ी और 31 मई की 134वीं कड़ी में भी विज्ञान, ऊर्जा, पर्यावरण, खेल और नागरिक पहलों से जुड़े विषय सामने आए। मई की कड़ी में भारतीय एथलेटिक्स के उभरते खिलाड़ियों गुरिंदरवीर सिंह और अनिमेष कुजूर से संवाद का उल्लेख हुआ। कार्यक्रम ने खगोल विज्ञान क्लबों और जल संरक्षण से जुड़े स्थानीय प्रयासों को भी राष्ट्रीय श्रोताओं के सामने रखा।

इस यात्रा का एक मानवीय पक्ष भी है।फरवरी 2026 की 131वीं कड़ी में केरल की दस माह की बच्ची अलिन शेरिन अब्राहम के निधन के बाद उसके माता-पिता द्वारा अंगदान के निर्णय का उल्लेख किया गया।ऐसी कहानियां कार्यक्रम के सामाजिक आयाम को रेखांकित करती हैं।

रेडियो से डिजिटल युग तक

ह्यमन की बातह्न की यात्रा केवल रेडियो तक सीमित नहीं रही। आकाशवाणी और दूरदर्शन के साथ इसके अंश और प्रसारण डिजिटल माध्यमों पर भी उपलब्ध होते रहे हैं। इससे एक पारंपरिक संचार माध्यम सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के दौर से जुड़ता दिखाई देता है। लेकिन इस कार्यक्रम का मूल्यांकन केवल इसकी पहुंच से नहीं किया जा सकता। अधिक महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि जिन नागरिक पहलों की चर्चा होती है, वे दूसरे लोगों तक किस तरह पहुंचती हैं और क्या वे स्थानीय स्तर पर नए प्रयासों को प्रेरित करती हैं।

यही मन की बात की मूल अवधारणा है—एक जगह हुआ अच्छा काम दूसरी जगह के लिए उदाहरण बने। जालौर की बावड़ी से जैसलमेर के पौधरोपण तक, अलवर के मिट्टी के दीयों से राजस्थान की लीची की खेती तक, स्थानीय अनुभव राष्ट्रीय बातचीत का हिस्सा बनते रहे हैं। आखिरकार, राष्ट्र निर्माण केवल संसद, मंत्रालयों और सरकारी कार्यालयों में दिखाई देने वाली प्रक्रिया नहीं है। वह खेत में भी है, स्कूल में भी, तालाब के किनारे भी, खेल के मैदान में भी और उस घर में भी जहां कोई परिवार किसी दूसरे जीवन को बचाने के लिए अंगदान का निर्णय करता है।

मन की बात की यात्रा को इसी दृष्टि से देखा जा सकता है—एक ऐसा संचार मंच, जहां प्रधानमंत्री की आवाज के माध्यम से देश के अलग-अलग हिस्सों में काम कर रहे नागरिकों की कहानियां एक-दूसरे तक पहुंचती हैं। इन कहानियों का महत्व इस बात में है कि वे बताती हैं कि बदलाव हमेशा किसी बड़े संस्थान से शुरू नहीं होता। कई बार उसकी शुरूआत किसी गांव, किसी परिवार, किसी किसान, किसी युवा या किसी सामान्य नागरिक के छोटे-से प्रयास से होती है और रेडियो की वह आवाज उस छोटे प्रयास को देश के एक बड़े संवाद का हिस्सा बना देती है।

विकास की दौड़ में जीवन की बुनियाद क्यों दरक रही है?

प्रो. आरके जैन

विकास का उद्देश्य आर्थिक आँकड़े चमकाना है या नागरिकों का जीवन सँवारना? जब गाँव का किसान फसल के लिए पानी और शहर का नागरिक स्वच्छ हवा को तरसे, तो विकास की प्राथमिकताओं पर सवाल उठना स्वाभाविक है। देश को आधुनिक उद्योग, बेहतर सड़कें, ऊर्जा और मजबूत बुनियादी ढाँचे चाहिए, लेकिन इनकी कीमत आम आदमी के स्वास्थ्य, आजीविका और प्राकृतिक संसाधनों से नहीं चुकाई जा सकती। सच्चा विकास वही है, जिसमें कुएँ सूखें नहीं, खेतों तक पानी पहुँचे, शहरों की हवा साँस लेने योग्य हो और हर नागरिक को बुनियादी सुविधाएँ सम्मानपूर्वक मिलें। इसकी कसौटी ऊँची इमारतें, निवेश और चमकदार आँकड़े नहीं, बल्कि आम आदमी का सुरक्षित व स्वस्थ जीवन है। जब तक पानी और हवा जैसी जरूरतें सबकी पहुँच में नहीं होंगी, विकास के दावे अधूरे रहेंगे।

गाँवों का जल संकट मानसून की अनिश्चितता के साथ भूजल के अंधाधुंध दोहन, पारंपरिक जलस्रोतों की उपेक्षा और कुप्रबंधन का नतीजा है। गिरते भूजल स्तर से नलकूपों से पानी निकालना कठिन और महँगा हो रहा है। नहरें खेतों तक पर्याप्त पानी नहीं पहुँचा रहीं और तालाब अतिक्रमण की भेंट चढ़ रहे हैं। लाखों हेक्टेयर कृषि भूमि सिंचाई संकट से जूझ रही है। शहरों और उद्योगों की बढ़ती जरूरतें जल संसाधनों पर दबाव डाल रही हैं। बाँध और बड़ी परियोजनाएँ बनती हैं, पर जलस्रोतों के रखरखाव और न्यायपूर्ण वितरण की अनदेखी है। नतीजतन, फसलें सूखती हैं, किसानों पर कर्ज बढ़ता है और ग्रामीण पलायन को मजबूर हैं। अन्नदाता के खेत में ही पानी अनिश्चित है। यह मौसम की मार ही नहीं, जल प्रबंधन की विफलता भी है।

शहरों में विकास की कीमत स्वच्छ हवा चुका रही है। ऊँची इमारतों, चौड़ी सड़कों, बढ़ते वाहनों और औद्योगिक विस्तार के बीच साँस लेना दूभर है। दिल्ली-एनसीआर में पीएम 2.5 का स्तर सितंबर 2026 में औसतन लगभग 39 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा, जबकि अक्टूबर में यह तेजी से बढ़ने लगता है (पिछले वर्षों में अक्टूबर का औसत अक्सर 100 से ऊपर रहा है)। अनेक शहरों की वायु गुणवत्ता खराब या बहुत खराब श्रेणी में है। वाहनों का धुआँ, निर्माण की धूल, औद्योगिक उत्सर्जन और कचरा जलाना प्रदूषण बढ़ा रहे हैं। इसकी मार बच्चों, बुजुर्गों और बीमारों पर पड़ रही है। प्रदूषणजनित बीमारियाँ और असमय मौतें गंभीर स्वास्थ्य चुनौती हैं। बच्चे मास्क लगाकर स्कूल जा रहे हैं, बुजुर्ग साँस की समस्याओं से जूझ रहे हैं। स्वच्छ हवा अब आर्थिक क्षमता पर निर्भर है। संपन्न लोग एयर प्यूरीफायर खरीद सकते हैं, जबकि गरीब प्रदूषण से बचने के प्रभावी विकल्पों से वंचित हैं।

विकास का विरोधाभास आर्थिक उपलब्धियों और आम आदमी की हकीकत में साफ झलकता है। सकल घरेलू उत्पाद बढ़ रहा है, सड़कें-पुल बन रहे हैं, निवेश और औद्योगिक परियोजनाएँ फैल रही हैं। लेकिन भूजल घट रहा है, जलस्रोत सूख रहे हैं और हवा दूषित हो रही है। बिजली की बढ़ती माँग और कटौती ग्रामीण-शहरी जीवन को प्रभावित कर रही है। बड़े प्रोजेक्टों पर भारी खर्च होता है, पर जल संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और सार्वजनिक सुविधाओं के रखरखाव को समान प्राथमिकता नहीं मिलती। विकास केवल निर्माण और निवेश नहीं है। आर्थिक गतिविधियाँ बढ़ें, लेकिन पीने का पानी और स्वच्छ पर्यावरण न मिले, तो उसकी सामाजिक कीमत भी आँकनी होगी। चौड़ी सड़कें और चमकदार इमारतें तभी जनकल्याणकारी हैं, जब वे जीवन सुरक्षित और सुविधाजनक बनाएँ।

विकास के आँकड़ों में सड़कें, पुल, निवेश और उत्पादन दर्ज होते हैं, लेकिन पानी के लिए जूझते परिवारों और प्रदूषित हवा में साँस लेते बच्चों की पीड़ा ओझल रहती है। आर्थिक वृद्धि के साथ लाभों का वितरण और पर्यावरणीय कीमत भी अहम हैं। संसाधनों का लाभ कुछ क्षेत्रों को मिले और बोझ कमजोर वर्गों पर पड़े, तो विकास असंतुलित है। बाजार बोतलबंद पानी, निजी टैंकर और एयर प्यूरीफायर उपलब्ध कराता है, लेकिन इनकी पहुँच आर्थिक क्षमता पर निर्भर है। संपन्न लोग निजी उपायों से संकट टाल लेते हैं, जबकि गरीब सार्वजनिक व्यवस्था की विफलताओं का बोझ उठाते हैं। इसलिए विकास का आकलन केवल आर्थिक वृद्धि से नहीं, बल्कि सभी वर्गों तक उसके लाभ पहुँचने से भी होना चाहिए।

पानी और हवा के संकट परस्पर जुड़े हैं। जंगलों की कटाई, जलस्रोतों पर अतिक्रमण, अनियोजित शहरीकरण और भूजल का अंधाधुंध दोहन प्राकृतिक संतुलन बिगाड़ रहे हैं। जलवायु परिवर्तन से अनियमित वर्षा, लंबे सूखे और अतिवृष्टि जल प्रबंधन को जटिल बना रहे हैं। कम बारिश से जलाशय घटते हैं, जिससे सिंचाई, पेयजल और बिजली उत्पादन प्रभावित होते हैं। हरित क्षेत्रों का सिकुड़ना और प्रदूषणकारी गतिविधियाँ शहरी पर्यावरण पर दबाव बढ़ाती हैं। संकट में टैंकर भेजना या अस्थायी प्रतिबंध समाधान नहीं। वर्षा जल संचयन, तालाबों का पुनर्जीवन, भूजल पुनर्भरण, सूक्ष्म सिंचाई, हरित क्षेत्रों का संरक्षण और औद्योगिक उत्सर्जन पर नियंत्रण विकास योजनाओं का अनिवार्य हिस्सा हों। पर्यावरण संरक्षण विकास की बुनियादी शर्त है, औपचारिकता नहीं।

विकास के नाम पर यदि खेत प्यासे, नदियाँ सूखी और शहर जहरीली हवा की गिरफ्त में हों, तो चमकते आँकड़े भी बदहाली की हकीकत नहीं छिपा सकते। उद्योग, निवेश और बुनियादी ढाँचे जरूरी हैं, लेकिन इनकी कीमत किसानों की आजीविका, नागरिकों के स्वास्थ्य और प्राकृतिक संसाधनों के विनाश से नहीं चुकाई जा सकती। प्रगति की दिशा ऐसी हो, जिसमें सिंचाई, वर्षा जल संचयन, स्वच्छ ऊर्जा, सार्वजनिक परिवहन और प्रदूषण नियंत्रण को प्राथमिकता मिले। इसके लिए सरकार, उद्योग और समाज की जवाबदेही तय करने के साथ संसाधनों का न्यायपूर्ण वितरण और पर्यावरणीय प्रभावों का पारदर्शी आकलन सुनिश्चित करना होगा। आखिर जिस व्यवस्था में अन्नदाता सिंचाई के लिए तरसे, नागरिक शुद्ध वायु को संघर्ष करें और बुनियादी सुविधाएँ ही विलासिता बन जाएँ, उसकी उपलब्धियों का ढोल पीटने का क्या औचित्य? सार्थक प्रगति की कसौटी ऊँची इमारतें और पूँजी निवेश नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को स्वच्छ पर्यावरण, पर्याप्त पेयजल, सुरक्षित आजीविका और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना है।

सोशल मीडिया और सूचना युद्ध : भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए नई चुनौती

डॉ. सत्यवान सौरभ

आज सोशल मीडिया हमारे जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। फेसबुक, एक्स, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, व्हाट्सऐप और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से लोग कुछ ही सेकंड में देश-दुनिया की जानकारी प्राप्त कर लेते हैं। सोशल मीडिया ने सूचना के आदान-प्रदान को आसान बनाया है, लेकिन इसके साथ कुछ गंभीर चुनौतियाँ भी सामने आई हैं। अब सूचना का इस्तेमाल केवल लोगों को जानकारी देने के लिए नहीं, बल्कि उनकी सोच और भावनाओं को प्रभावित करने के लिए भी किया जा सकता है। इसी कारण सूचना युद्ध आज राष्ट्रीय सुरक्षा का एक महत्वपूर्ण विषय बन गया है।

सूचना युद्ध का अर्थ है ऐसी सूचनाओं का इस्तेमाल करना, जिनके माध्यम से लोगों की सोच, भावनाओं, विश्वास और निर्णयों को प्रभावित किया जा सके। इसमें झूठी खबर, आधी-अधूरी जानकारी, पुरानी तस्वीर या वीडियो को नई घटना से जोड़ना, किसी सही जानकारी को गलत संदर्भ में प्रस्तुत करना और लगातार किसी विशेष संदेश को लोगों तक पहुँचाना शामिल हो सकता है।इसका उद्देश्य हमेशा किसी इमारत या सैन्य ठिकाने को नुकसान पहुँचाना नहीं होता।कई बार इसका उद्देश्य लोगों के मन में भ्रम, डर, गुस्सा या अविश्वास पैदा करना होता है।

सोशल मीडिया ने सूचना युद्ध को बहुत तेज कर दिया है।पहले किसी प्रचार को बड़े स्तर पर फैलाने के लिए अखबार, रेडियो, टेलीविजन या अन्य माध्यमों की आवश्यकता होती थी। आज एक मोबाइल फोन से तैयार किया गया वीडियो कुछ ही मिनटों में हजारों या लाखों लोगों तक पहुँच सकता है।लोग किसी संदेश को बिना उसकी सच्चाई जाँचे आगे भेज देते हैं।इस कारण गलत सूचना को रोकना कठिन हो जाता है।

भारत जैसे बड़े और विविध देश में यह चुनौती और महत्वपूर्ण हो जाती है।भारत में अलग-अलग धर्मों, जातियों, भाषाओं और क्षेत्रों के लोग रहते हैं। यदि किसी समुदाय से जुड़ी झूठी या भड़काऊ जानकारी सोशल मीडिया पर फैलती है, तो उसका प्रभाव समाज में तनाव के रूप में दिखाई दे सकता है।किसी छोटी स्थानीय घटना को गलत तरीके से प्रस्तुत करके उसे धार्मिक या सामुदायिक रंग दिया जा सकता है।इससे लोगों के बीच अविश्वास बढ़ सकता है और कानून-व्यवस्था की स्थिति भी बिगड़ सकती है।

सोशल मीडिया पर अफवाहों का प्रभाव कई बार बहुत गंभीर हो सकता है। किसी व्यक्ति पर गलत आरोप लगाने, किसी समुदाय के खिलाफ झूठी बात फैलाने या किसी घटना की गलत तस्वीर प्रस्तुत करने से भीड़ की भावनाएँ भड़क सकती हैं।ऐसी स्थिति में पुलिस और प्रशासन को अचानक बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ता है। इसलिए संवेदनशील घटनाओं के समय सही और आधिकारिक जानकारी जल्दी उपलब्ध कराना बहुत जरूरी है।

सूचना युद्ध का एक नया रूप डीपफेक है।कृत्रिम बुद्धिमत्ता की मदद से किसी व्यक्ति के चेहरे और आवाज को बदलकर नकली वीडियो बनाया जा सकता है। देखने वाले को पहली नजर में यह वास्तविक लग सकता है। यदि किसी नेता, अधिकारी, सेना के अधिकारी या किसी प्रसिद्ध व्यक्ति के नाम से गलत वीडियो प्रसारित किया जाए, तो इससे लोगों में भ्रम पैदा हो सकता है। चुनाव, युद्ध, आतंकवादी घटना या किसी बड़े संकट के समय ऐसी सामग्री विशेष रूप से नुकसानदायक हो सकती है।

सैन्य क्षेत्र में सूचना युद्ध की चुनौती और गंभीर हो जाती है।किसी सैन्य अभियान के दौरान सैनिकों की स्थिति, गतिविधियों, हथियारों या हताहतों से जुड़ी गलत जानकारी फैलाई जा सकती है।पुराने युद्ध के वीडियो को वर्तमान घटना का बताया जा सकता है। किसी नकली सैनिक वीडियो या झूठे बयान को वास्तविक बताकर लोगों के मनोबल को प्रभावित करने का प्रयास किया जा सकता है। इसलिए सुरक्षा से जुड़ी जानकारी को साझा करते समय विशेष सावधानी आवश्यक है।

सूचना युद्ध का संबंध केवल भारत के अंदर की घटनाओं से नहीं है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सोशल मीडिया का इस्तेमाल किसी देश की छवि और नीतियों को प्रभावित करने के लिए किया जा सकता है।विभिन्न संगठन या विदेशी नेटवर्क किसी घटना को अपने हित के अनुसार प्रस्तुत कर सकते हैं। सीमा विवाद, आतंकवाद, कश्मीर, आंतरिक अशांति और अन्य संवेदनशील विषयों पर लगातार एक विशेष प्रकार की जानकारी फैलाकर अंतरराष्ट्रीय जनमत को प्रभावित करने की कोशिश की जा सकती है।

सोशल मीडिया पर बॉट और नकली अकाउंट भी एक बड़ी चुनौती हैं। सामान्य व्यक्ति को लग सकता है कि किसी मुद्दे पर बहुत बड़ी संख्या में लोग एक जैसा विचार रख रहे हैं, जबकि वास्तव में कई अकाउंट एक ही समूह द्वारा चलाए जा सकते हैं।एक ही संदेश को बार-बार साझा करके उसे लोकप्रिय दिखाने की कोशिश की जा सकती है। इससे वास्तविक जनमत और कृत्रिम रूप से बनाए गए ऑनलाइन माहौल के बीच अंतर करना मुश्किल हो जाता है।प्राकृतिक आपदा, महामारी या किसी बड़े संकट के समय भी गलत सूचना गंभीर समस्या बन सकती है।यदि किसी क्षेत्र में बाढ़, भूकंप या किसी अन्य आपदा के बारे में गलत जानकारी फैलती है, तो लोग गलत स्थान पर जा सकते हैं या जरूरी सहायता से वंचित हो सकते हैं।इसी प्रकार स्वास्थ्य से जुड़ी गलत जानकारी लोगों के व्यवहार को प्रभावित कर सकती है। इसलिए संकट के समय विश्वसनीय सूचना व्यवस्था बहुत जरूरी है।

भारत को इस चुनौती से निपटने के लिए तकनीक और संस्थागत क्षमता दोनों को मजबूत करना होगा। फर्जी खबरों, डीपफेक और बॉट नेटवर्क की पहचान के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल बढ़ाना चाहिए। कृत्रिम बुद्धिमत्ता की सहायता से संदिग्ध सामग्री की पहचान की जा सकती है, लेकिन अंतिम सत्यापन विशेषज्ञों द्वारा किया जाना आवश्यक है। सरकारी विभागों के बीच बेहतर समन्वय भी जरूरी है ताकि किसी संकट के समय सही जानकारी तेजी से जनता तक पहुँच सके। सरकार के साथ-साथ सोशल मीडिया कंपनियों की भी जिम्मेदारी है।उन्हें फर्जी अकाउंट, समन्वित गलत सूचना और खतरनाक फर्जी सामग्री की पहचान के लिए प्रभावी व्यवस्था विकसित करनी चाहिए। साथ ही, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिकों के अधिकारों का सम्मान करते हुए गलत सूचना से निपटने के बीच संतुलन बनाए रखना जरूरी है।

इस पूरी प्रक्रिया में आम नागरिक की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। किसी भी तस्वीर, वीडियो या संदेश को देखकर तुरंत विश्वास नहीं करना चाहिए। विशेष रूप से धार्मिक, राजनीतिक, सैन्य और सामुदायिक विषयों से जुड़ी सामग्री को आगे भेजने से पहले उसके स्रोत की जाँच करनी चाहिए। यदि किसी सूचना पर संदेह हो तो उसे साझा न करना ही सबसे सुरक्षित कदम है।स्कूलों और विश्वविद्यालयों में डिजिटल और मीडिया साक्षरता को बढ़ावा देना भी आवश्यक है।बच्चों और युवाओं को यह सिखाया जाना चाहिए कि इंटरनेट पर उपलब्ध हर जानकारी सही नहीं होती। उन्हें स्रोत की जाँच, तस्वीर और वीडियो की पहचान तथा फर्जी खबरों को समझने की बुनियादी जानकारी दी जानी चाहिए।

अंतत:, सूचना युद्ध केवल सरकार, सेना या साइबर सुरक्षा एजेंसियों की समस्या नहीं है।यह पूरे समाज की चुनौती है। आधुनिक समय में देश की सुरक्षा केवल सीमाओं और सैन्य शक्ति से तय नहीं होती, बल्कि लोगों के विश्वास, सामाजिक एकता और सही सूचना तक उनकी पहुँच से भी जुड़ी है। तकनीकी क्षमता, तेज और विश्वसनीय सरकारी संचार, मजबूत साइबर सुरक्षा, जिम्मेदार सोशल मीडिया और जागरूक नागरिक मिलकर भारत को सूचना युद्ध की चुनौतियों से अधिक सुरक्षित बना सकते हैं।

कला मंदिर में हुआ प्राक लोकमंथन : छग की लोक परंपराएं 'हम भारत के लोग' की भावना को करती हैं सुदृढ़

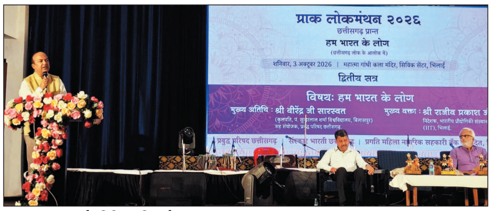

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

प्रति दो वर्ष में जयपुर में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय लोकमंथन कार्यक्रम की श्रृंखला में इस वर्ष 3 से 6 दिसंबर तक होने वाले मुख्य आयोजन के पूर्व एक दिवसीय प्राक लोकमंथन कार्यक्रम का आयोजन भिलाई के कला मंदिर सभागार में किया गया। प्रबुद्ध परिषद छत्तीसगढ़ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम का विषय "हम भारत के लोग" रहा, जिसमें छत्तीसगढ़ की अस्मिता को केंद्र में रखा गया। कार्यक्रम का आयोजन 3 अक्टूबर को हुआ।

उद्घाटन सत्र: छत्तीसगढ़ की परंपरा ऋषि और कृषि की है

उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि पूर्व प्रांत संघचालक बिसरा राम यादव थे, जबकि छत्तीसगढ़ साहित्य अकादमी के अध्यक्ष शशांक शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। सत्र का विषय था "हम भारत के लोग की भावना को सुदृढ़ करती छत्तीसगढ़ की लोक परंपराएं"।

अपने उद्बोधन में शशांक शर्मा ने कहा कि छत्तीसगढ़ का ज्ञानकोष और सामाजिक परंपराएं बेहद समृद्ध हैं। उन्होंने रामायण काल में ऋषियों का छत्तीसगढ़ से संबंध, गुरुकुल परंपरा, ताम्रपत्र, ताड़पत्र और शिलालेखों के माध्यम से उन्नत ज्ञान परंपरा का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की परंपरा ऋषि और कृषि की रही है। यहां का व्यक्ति पैसे को नहीं, बल्कि परिवार, पर्व और परंपरा को वरीयता देता है। छत्तीसगढ़ की भोथली और मितान जैसी परंपराएं अनूठी हैं, जो 'हम भारत के लोग' की भावना को प्रतिध्वनित करती हैं।

द्वितीय सत्र: विज्ञान और परंपरा के समन्वय पर मंथन

द्वितीय सत्र में पंडित सुंदरलाल शर्मा विश्वविद्यालय के कुलपति वीरेंद्र सारस्वत ने विज्ञान, तकनीक और प्रबंधन के संदर्भ में पारंपरिक मान्यताओं और ग्रंथों की प्रासंगिकता पर चर्चा की।

इस सत्र के मुख्य वक्ता क्क्ळ भिलाई के डायरेक्टर राजीव प्रकाश ने कहा कि बचपन में मोहल्ले के लोगों को चाचा-चाची, काका-काकी, मामा-मामी के रूप में संबोधित करना ही 'हम भारत के लोग' की भावना थी। उन्होंने क्क्ळ भिलाई द्वारा दंतेवाड़ा, कोंडागांव, बस्तर जैसे सुदूर वनांचलों में किए जा रहे कार्यों का उल्लेख किया और कहा कि भारतीय दृष्टि को डाटा की सहायता से वैश्विक पटल पर रखने की आवश्यकता है, जिसका उपयोग अकतकनीक से किया जा सकता है।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

तृतीय सत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति हुई। लोक रागिनी और संस्कार भारती द्वारा "वंदे मातरम" नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई। रामानुजगंज से आई राधा-कृष्ण मंडली ने विभिन्न भाषाओं में संकीर्तन किया। लोकमंथन कसडोल की टीम ने गेड़ी, सुआ और बैगा नृत्य प्रस्तुत किए। प्रसिद्ध कलाकार दुष्यंत द्विवेदी द्वारा पंडवानी की मनमोहक प्रस्तुति दी गई।

अंतिम सत्र: भारत विभाजन के अपराधी

कार्यक्रम के अंतिम सत्र का विषय "भारत विभाजन के अपराधी" रहा। दिल्ली से आए प्रसिद्ध पत्रकार और 'हे राम' पुस्तक के लेखक प्रखर श्रीवास्तव मुख्य वक्ता थे। उन्होंने 1920 के बाद के ऐतिहासिक घटनाक्रमों को सिलसिलेवार रखा और कहा कि वामपंथी इतिहासकारों ने इतिहास से छेड़छाड़ कर गलत विमर्श प्रस्तुत कर समाज को वैचारिक रूप से गुमराह किया। उन्होंने खिलाफत आंदोलन और मालाबार में हिंदुओं के नरसंहार का विशेष उल्लेख किया। पाकिस्तान निर्माण के समय गांधी जी की भूमिका को स्पष्ट करने के लिए उन्होंने जिन्ना और मौलाना आजाद के बयानों का हवाला दिया। उन्होंने कहा कि धर्मनिरपेक्षता के आवरण में सत्य को छुपाना राष्ट्र के लिए आत्मघाती कदम होता है।

कार्यक्रम में प्रबुद्ध परिषद के प्रांत संयोजक अतुल नागले ने संस्था के कार्यों की जानकारी दी और दिनकर डांगे के संस्मरण साझा किए। दिनकर डांगे स्मृति व्याख्यान माला के संयोजक अजय डांगे ने आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन रचना नायडू, आदित्य तामस्कर और अर्चना जगन ने किया। इस अवसर पर प्रगति महिला बैंक की अध्यक्ष अश्विनी नागले, उपाध्यक्ष बृजलता चौबे, ग्रामोदय के संयोजक विनोद मिश्र व श्वेता उपाध्याय, संस्कार भारती के महामंत्री हेमंत माहुलीकर सहित रायपुर, राजनांदगांव, दुर्ग और बिलासपुर से आए प्रबुद्धजन उपस्थित थे। कार्यक्रम का समापन वंदे मातरम गीत के साथ हुआ।

खास खबर

शासकीय नवीन महाविद्यालय बोरी में विद्यार्थियों को दिया गया कौशल एवं रोजगारपरक प्रशिक्षण

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

शासकीय नवीन महाविद्यालय, बोरी के प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल द्वारा विद्यार्थियों को रोजगारपरक कौशल प्रदान करने के उद्देश्य से विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में नांदी फाउंडेशन के प्रतीक ताटोडे ने विद्यार्थियों को विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्रदान किया। प्राचार्य शासकीय नवीन महाविद्यालय बोरी से प्राप्त जानकारी अनुसार प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को व्यक्तित्व विकास, लक्ष्य निर्धारण, मनी मैनेजमेंट, रिज्यूमे निर्माण, साक्षात्कार की तैयारी, समूह चर्चा, स्मॉल टॉक्स एवं एक्सटेम्पोर, प्रोफेशनल एथिक्स, ई-मेल एटिकेट और प्रोजेक्ट राइटिंग जैसे महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी दी गई। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में आत्मविश्वास, संचार कौशल, प्रस्तुतीकरण क्षमता तथा रोजगार के लिए आवश्यक व्यावहारिक दक्षताओं का विकास करना रहा।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों को रोजगार के उपलब्ध अवसरों, प्रशिक्षण के बाद प्लेसमेंट सहायता तथा भविष्य में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन कौशल विकास कार्यक्रमों से जुड़ने के संबंध में भी जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम निःशुल्क आयोजित किया गया तथा प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट सेल की संयोजक डॉ. मीना चक्रवर्ती ने डॉ. समीर जायसवाल, भगवत कुर्रे एवं कु. डीकल महिलवार के सहयोग से किया गया। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. श्रीमती कमर तलत ने इस पहल की सराहना करते हुए विद्यार्थियों से ऐसे कौशल विकास कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण विद्यार्थियों को रोजगार के लिए तैयार करने तथा उनके भविष्य को बेहतर बनाने में सहायक सिद्ध होते हैं।

एग्रीस्टेक का पंजीयन 30 अक्टूबर तक बढ़ा

दुर्ग। धान खरीदी विपणन वर्ष 2026-27 में किसानों एवं उनके सह-हिस्सेदारों का शत-प्रतिशत एग्रीस्टेक पंजीयन होना अनिवार्य है। इस हेतु जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक से सम्बद्ध सेवा सहकारी समिति में संचालित कॉमन सर्विस सेन्टर के माध्यम से एग्रीस्टेक पंजीयन का कार्य अपने आश्रित ग्रामों में शिविर आयोजित कर किया गया। जिला दुर्ग में कुल 87 समितियों के आश्रित ग्रामों में 10 से 30 सितम्बर 2026 तक शिविर का आयोजन किया गया था जिसकी समीक्षा करने पर अपेक्षाकृत प्रगति नही हुई है। जिले में 456941 बकेट क्लेम (सहमति सत्यापन) में से मात्र 140487 की पुर्ति हुई है। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने स्पष्ट किया है कि बिना एग्रीस्टेक पंजीयन धान नही बिकेगा, सह खातेदारों का भी पंजीयन होना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष 2026-27 में धान बिक्री के लिए एकीकृत किसान पोर्टल पर पंजीयन एवं सह-खातेदारों का बकेट क्लेम (सहमति सत्यापन) अनिवार्य रहेगा। प्रगति संतोषजनक न होने के कारण शिविर की समय-सीमा 05 से 30 अक्टूबर 2026 तक बढ़ाये जाने के निर्देश दिये गये है। किसान एवं सह हिस्सेदार शिविर में, समिति सीएससी एवं पटवारी के माध्यम से बकेट आईडी बनवा सकते है। प्रदेश में सर्वाधिक दुर्ग जिले का 456941 बकेट क्लेम (सहमति सत्यापन) का पंजीयन किया जाना है, जिसे शिविर के माध्यम से शत-प्रतिशत पूर्ण करने के लक्ष्य है। समिति प्रबंधक / प्रभारी एवं संबंधित अमले को सभी लंबित बकेट क्लेम का कार्य समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने निर्देशित किया गया है एवं तहसील के कृषि विस्तार अधिकारी तथा पटवारी भी उपस्थित रहकर शासन की महत्वपूर्ण योजना में सहयोग प्रदाय करने निर्देश दिये गये है।

ई-चालान व्यवस्था होगी जल्द शुरू

ट्रैफिक नियम तोड़ना पड़ेगा भारी

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

जिले में सड़क सुरक्षा को मजबूत करने और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए यातायात पुलिस ने ई-चालान व्यवस्था शुरू कर दी है। अब यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ ई-चालान के माध्यम से कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने वाहन चालकों से ट्रैफिक नियमों का गंभीरता से पालन करने और सड़क पर जिम्मेदारी के साथ वाहन चलाने की अपील की है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देश पर की जा रही है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर और उप पुलिस अधीक्षक कृष्णकांत वाजपेई के मार्गदर्शन में यातायात पुलिस की ओर से अभियान चलाया जा रहा है। यातायात प्रभारी निरीक्षक नवरत्न कश्यप के नेतृत्व में नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ ई-चालान की कार्रवाई की जाएगी।

ई-चालान व्यवस्था शुरू होने के बाद यातायात नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों पर कार्रवाई की जाएगी। यातायात पुलिस ने स्पष्ट किया है कि बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाने वालों पर कार्रवाई होगी। इसी तरह चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट नहीं लगाने वाले चालक भी कार्रवाई के दायरे में आएंगे। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन पर बात करना भी यातायात नियमों का उल्लंघन है। ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ ई-चालान किया जाएगा। इसके अलावा रेड लाइट जंप करने, निर्धारित गति से अधिक रफ्तार में वाहन चलाने, गलत दिशा में वाहन चलाने और गलत नंबर प्लेट लगाकर वाहन चलाने वालों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

यातायात पुलिस का उद्देश्य ई-चालान व्यवस्था के माध्यम से वाहन चालकों में ट्रैफिक नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और सड़क दुर्घटनाओं के खतरे को कम करना है। सड़क पर छोटी सी लापरवाही वाहन चालक के साथ ही दूसरे लोगों के लिए भी खतरा बन सकती है। इसी को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने वाहन चालकों से नियमों का पालन करने की अपील की है। पुलिस ने नागरिकों से कहा है कि दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का इस्तेमाल करें और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट जरूर लगाएं। वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल न करें। ट्रैफिक सिग्नल का पालन करें और वाहन को निर्धारित गति सीमा के भीतर ही चलाएं। इसके साथ ही गलत दिशा में वाहन चलाने से बचें और वाहन में नियमानुसार नंबर प्लेट लगाएं।

यातायात पुलिस ने कहा है कि सड़क सुरक्षा नियम केवल कार्रवाई या चालान से बचने के लिए नहीं हैं, बल्कि वाहन चालक और सड़क पर मौजूद दूसरे लोगों की सुरक्षा के लिए भी जरूरी हैं। नियमों का पालन करने से सड़क दुर्घटनाओं की आशंका को कम किया जा सकता है। राजनांदगांव में शुरू की गई ई-चालान व्यवस्था के तहत यातायात पुलिस नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई करेगी। पुलिस ने सभी नागरिकों से सुरक्षित यातायात व्यवस्था बनाने में सहयोग करने और जिम्मेदार वाहन चालक की भूमिका निभाने की अपील की है।

गर्भवती माताओं की गोदभराई, बच्चों का अन्नप्राशन व स्पर्धाओं का हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा जिला कार्यक्रम अधिकारी अशोक पांडे तथा जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी अजय साहू के मार्गदर्शन में सेक्टर जेवरा के ग्राम चिखली में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य महिलाओं, बच्चों एवं परिवारों को विभागीय योजनाओं के प्रति जागरूक करना तथा बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और सर्वांगीण विकास को प्रोत्साहित करना रहा।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला पंचायत सभापति जितेंद्र यादव थे। विशिष्ट अतिथियों में सरपंच ललित ठाकुर, उपसरपंच नोमेश साहू, जेवरा भाजपा मंडल से सचिन राजपूत, पंच श्रीमती वंदना वर्मा, श्रीमती शकुंतला सोनी, श्रीमती रंजना भारती सहित स्वास्थ्य विभाग के आरसीओ, एचआरओ एवं आहार विशेषज्ञ श्रीमती निशा शर्मा उपस्थित रहीं।

मुख्य अतिथि जिला पंचायत सभापति जितेंद्र यादव ने कहा कि महिला एवं बाल विकास विभाग की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं को आंगनबाड़ी कार्यकताओं एवं सहायिकाओं के माध्यम से जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की। साथ ही दुर्ग ग्रामीण परियोजना अधिकारी एवं विभागीय अमले द्वारा किए जा रहे कार्यों की विशेष सराहना की।

कार्यक्रम के दौरान गर्भवती माताओं की गोदभराई एवं छह माह की आयु पूर्ण कर चुके बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार कराया गया। महिलाओं और बच्चों की प्रतिभा को प्रोत्साहित करने के लिए रंगोली, व्यंजन, कुर्सी दौड़ एवं मेहंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इसके अलावा स्वस्थ शिशु प्रतियोगिता, पौष्टिक थाली प्रदर्शन तथा बच्चों द्वारा गीत, कविता एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। इन गतिविधियों के माध्यम से महिलाओं को पोषण, स्वास्थ्य, स्वच्छता और बच्चों के समुचित विकास के प्रति जागरूक किया गया।

राजनांदगांव पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल, 6 निरीक्षक और 2 उप निरीक्षकों का किया तबादला

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

राजनांदगांव जिले में पुलिस विभाग में बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। जिले में पदस्थ 6 निरीक्षकों और 2 उप निरीक्षकों के तबादले किए गए हैं। जारी सूची के अनुसार कई थाना प्रभारियों को नई जिम्मेदारी दी गई है, जबकि रक्षित केंद्र में पदस्थ अधिकारियों को भी थानों और पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पदस्थ किया गया है। जारी आदेश के मुताबिक निरीक्षक रामेश्वर देशमुख को पुलिस अधीक्षक कार्यालय से स्थानांतरित करते हुए थाना प्रभारी डोंगरगढ़ की जिम्मेदारी दी गई है।

निरीक्षक हरीनाथ रावत को थाना प्रभारी बोरतलाव से हटाकर छुरिया भेजा गया है। वहीं निरीक्षक अनुराग सोनवाली को छुरिया से स्थानांतरित कर थाना प्रभारी बोरतलाव बनाया गया है। इसी तरह निरीक्षक सुरेश कुमार जांगड़े को रक्षित केंद्र से लालबाग थाना भेजा गया है। निरीक्षक गोपेंद्र पटेल को रक्षित केंद्र राजनांदगांव से स्थानांतरित करते हुए थाना प्रभारी बागनदी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। निरीक्षक अरूण कुमार नामदेव को रक्षित केंद्र से पुलिस अधीक्षक कार्यालय में पदस्थ किया गया है।

तबादला सूची में दो उप निरीक्षकों के नाम भी शामिल हैं। उप निरीक्षक सतउराम नेताम को प्रभारी चौकी जोब से स्थानांतरित कर घुमका भेजा गया है। वहीं उप निरीक्षक रोहित खूंटे को रक्षित केंद्र राजनांदगांव से प्रभारी चौकी जोब की जिम्मेदारी दी गई है। इस तरह जिले में कुल आठ पुलिस अधिकारियों की जिम्मेदारियों में बदलाव किया गया है। नई पदस्थापना के बाद डोंगरगढ़, बोरतलाव, छुरिया, लालबाग, बागनदी, घुमका और जोब क्षेत्र में पुलिस अधिकारियों की जिम्मेदारी बदली है। जारी आदेश के अनुसार संबंधित अधिकारी अब अपनी नई पदस्थापना पर जिम्मेदारी संभालेंगे।

'विकसित भारत' के निर्माण में वरिष्ठ नागरिकों की भूमिका महत्वपूर्ण - सांसद विजय बघेल

वरिष्ठजनों का वृहद अनुभव सही निर्णय लेने में सबसे अधिक मददगार साबित होता है - कलेक्टर अभिजीत सिंह

नई दृष्टिबिंदु / दुर्ग

अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दिवस के अवसर पर वरिष्ठजन सम्मान समारोह का आयोजन आज स्वामी विवेकानंद सभागार में आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में सांसद विजय बघेल ने वरिष्ठजनों को शॉल और श्रीफल देकर सम्मानित किया। इस दौरान वरिष्ठ नागरिकों ने मनमोहक गीत और गायन की प्रस्तुतियां भी दी।

सांसद विजय बघेल ने समाज के वरिष्ठ जनों एवं विभिन्न क्षेत्रों के अनुभवी व्यक्तियों को सम्मानित करते हुए उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जनसेवा का सफर गुजरात से शुरू हुआ। गुजरात में उत्कृष्ट असैनिक व्यवस्था, इंफ्रास्ट्रक्चर, तकनीकी एवं औद्योगिक विकास के बल पर राज्य को देश में एक अलग पहचान मिली। इसके बाद वर्ष 2014 में देश की जनता के भारी समर्थन और आशीर्वाद से उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री के रूप में देश की बागडोर संभाली। 2014 में भारत विश्व अर्थव्यवस्था में 11वें स्थान पर था, जो आज 4 - 5वें स्थान की ओर अग्रसर होकर मजबूती से खड़ा है। कोरोना महामारी और अन्य वैश्विक संकटों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि जब दुनिया के बड़े-बड़े देश संकट के सामने नतमस्तक हो गए थे, तब भारत ने स्वदेशी तकनीक और वैक्सीन के निर्माण से न केवल देशवासियों की रक्षा की।

सांसद श्री बघेल ने कहा कि पिछले 25 वर्षों के अपने कार्यकाल में प्रधानमंत्री ने बिना किसी अवकाश के निरंतर देश हित में कार्य किया है। उन्होंने उपस्थित वरिष्ठ जनों के अनुभव और जीवन भर के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि स्वतंत्रता संग्राम के समय जिन महापुरुषों ने सपने देखे थे, उन्हीं सपनों को साकार करते हुए विकसित भारत के निर्माण में सभी नागरिकों और वरिष्ठ जनों को अपनी भूमिका निभानी होगी। वरिष्ठ जनों ने अपने जीवन का लंबा समय समाज और देश की सेवा में लगाया है। उनके जीवन का निचोड़ और अनुभव आने वाली युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत का काम करेगा। उन्होंने उपस्थित सभी बुजुर्गों का विनम्रतापूर्वक नमन और अभिनंदन किया।

कलेक्टर अभिजीत सिंह ने सभी बुजुर्गों और वरिष्ठ नागरिकों के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए उनके योगदान की सराहना की। उन्होंने कहा कि समाज के वरिष्ठ जनों के पास लंबा अनुभव होता है और वे हमेशा समाज के लिए प्रेरणा के स्रोत रहे हैं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि आप सभी लोगों ने अपने जीवन में उत्कृष्ट कार्य किया है और समाज का मार्गदर्शन किया है। कई शिक्षक रहे होंगे जिन्होंने बच्चों को पढ़ा-लिखाकर सफलता के शिखर तक पहुँचाया, वहीं कई सेवानिवृत्त अधिकारी और कर्मचारी हैं जिन्होंने अपने-अपने विभागों में निष्ठापूर्वक सेवाएं दी हैं।

कलेक्टर ने अपने व्यक्तिगत जीवन का उदाहरण देते हुए कहा कि कठिन परिस्थितियों में जब भी उन्होंने अपने घर या समाज के बुजुर्गों से सलाह ली, तो उन्हें ऐसे दूरदर्शी विचार और समाधान मिले जिन्हें वे स्वयं नहीं सोच सकते थे। युवाओं को सीख देते हुए उन्होंने कहा कि जब भी जीवन में मार्गदर्शन की कमी महसूस हो, तो अपने वरिष्ठों से सलाह अवश्य लें, क्योंकि उनका वृहद अनुभव सही निर्णय लेने में सबसे अधिक मददगार साबित होता है। इस अवसर पर नागरिक संघ अध्यक्ष सी.एस.पाण्डेय, राधेश्याम साहू, जोसफ, अरूण अग्रवाल, पुरूषोत्तम साहू, पार्षद योगेश्वरी ठाकुर, गणेश निर्मलकर, एल्डरमेन मदन, गजानंद, समाज कल्याण विभाग के अधिकारी आनंद प्रताप गौतम, जयंत ठाकुर सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ नागरिक उपस्थित थे।

सरगुजा पुलिस ने रचा इतिहास | **सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पूरे सरगुजा रेंज में पहला स्थान हासिल किया**

49 दिन में 2.74 लाख लोगों तक पहुंचाया साइबर सुरक्षा का संदेश

नई दृष्टिबिंदु / अंबिकापुर-सरगुजा

छत्तीसगढ़ पुलिस के 'साइबर जागृति अभियान' में सरगुजा पुलिस ने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पूरे सरगुजा रेंज में पहला स्थान हासिल किया है। डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल (भा.पु.से.) के दिशा-निर्देशन में पुलिस ने महज 49 दिनों में 8,227 से अधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर 2,74,247 नागरिकों को सीधे साइबर ठगी से बचाव का पाठ पढ़ाया।

त्योहारों को बनाया जागरूकता का हथियार

सरगुजा पुलिस ने जागरूकता के लिए अनोखे तरीके अपनाए:-

रक्षाबंधन पर 'साइबर रक्षा सूत्र': बहनों की कलाई पर साइबर सुरक्षा संदेश वाली राखी बांधकर ठगी से सुरक्षित रहने का संकल्प दिलाया।

जन्माष्टमी पर 'मटका फोड़': मटका फोड़ आयोजन के जरिए युवाओं को साइबर फ्रॉड के खिलाफ एकजुट होने का संदेश दिया गया।

पुलिस की विशेष टीमों ने स्कूल, कॉलेज, हाट-बाजार, शासकीय कार्यालय, पंचायत भवन और सार्वजनिक स्थलों पर चौपाल लगाकर लोगों को जागरूक किया।

हर वर्ग तक पहुंचा संदेश

विद्यार्थी एवं युवा: सोशल मीडिया हैकिंग, गेमिंग फ्रॉड, ऑनलाइन बुलिंग से बचाव।

वरिष्ठ नागरिक एवं गृहिणी: OTP, UPI PIN, फर्जी कॉल/लिंक से सावधान रहने के टिप्स।

ग्रामीण क्षेत्र: 'साइबर ग्राम चौपाल' के जरिए ङ उ फ्रॉड, शेयर मार्केट ट्रेडिंग फ्रॉड, जॉब फ्रॉड, सेक्सटॉर्शन, डिजिटल अरेस्ट और फर्जी प्रोफाइल के बारे में जानकारी।

पुलिस की अपील - 1930 पर तुरंत करें कॉल

सरगुजा पुलिस ने अपील की है - अपना **OTP, UPI PIN,** बैंक पासवर्ड कभी किसी से शेयर न करें, अनजान लिंक पर क्लिक न करें। ठगी होने पर तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करें या www.cybercrime.gov.in पर शिकायत दर्ज कराएं। एसएसपी राजेश अग्रवाल ने कहा कि यह अभियान सिर्फ कार्यक्रम तक सीमित नहीं है, लक्ष्य हर नागरिक को इतना सक्षम बनाना है कि वह खुद भी सुरक्षित रहे और दूसरों को भी बचाए।

बचपन से ही संगीत के माहौल में पली-बढ़ीं है मुनमुन दत्ता

अभिनेत्री मुनमुन दत्ता का अभिनय करियर शुरू होने से काफी पहले ही कला और मंच से जुड़ाव हो गया था। टेलीविजन धारावाहिक 'तारक मेहता का उल्टा चश्मा' में बबीता जी का किरदार निभाकर घर-घर में पहचान बनाने वाली मुनमुन दत्ता बचपन से संगीत के माहौल में पली-बढ़ीं मुनमुन ने कम उम्र में ही मंच पर गाना शुरू कर दिया था। उस समय उनकी उम्र महज सात वर्ष थी और उन्होंने गाना गाकर 125 रुपये कमाए थे। 28 सितंबर 1987 को पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में जन्मी मुनमुन का परिवार संगीत से जुड़ा हुआ था।

इसी वजह से बचपन से ही उन्हें संगीत और प्रदर्शन कला के माहौल में रहने का अवसर मिला। उन्होंने स्कूल और स्थानीय कार्यक्रमों में गाना शुरू किया। बाद में उन्होंने बताया था कि वह आकाशवाणी और दूरदर्शन के लिए भी बाल गायिका के तौर पर कार्यक्रम कर चुकी थीं। मुनमुन के मुताबिक, ऑल इंडिया रेडियो के लिए गाना गाने पर उन्हें सात वर्ष की उम्र में 125 रुपये की पहली कमाई हुई थी। इतनी कम उम्र में अपने काम के बदले पैसे मिलना उनके लिए खास अनुभव था। उन्होंने अपनी पहली कमाई अपनी मां को दे दी थी। उस समय शायद उन्होंने यह नहीं सोचा होगा कि भविष्य में वह टेलीविजन की लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शामिल होंगी। संगीत से जुड़े रहने के साथ मुनमुन ने अपनी पढ़ाई भी जारी रखी। आगे की शिक्षा के लिए वह पुणे चली गईं।

इसी दौरान उनका रुझान मॉडलिंग और फैशन शो की तरफ बढ़ा। उन्होंने विभिन्न फैशन कार्यक्रमों में हिस्सा लिया और अभिनय के अवसर तलाशने के लिए मुंबई का रुख किया। शुरुआती दिनों में उन्हें काम पाने के लिए संघर्ष भी करना पड़ा। मुनमुन का अभिनय करियर वर्ष 2004 में शुरू हुआ, जब उन्हें जी टीवी के धारावाहिक 'हम सब बाराती' में काम करने का अवसर मिला। उस समय वह कॉलेज में पढ़ रही थीं और यह उनका शुरुआती अभिनय अनुभव था। इसके बाद उन्होंने मॉडलिंग और विज्ञापनों में भी काम किया। फिल्मों में उन्होंने कमल हासन की 'मुंबई एक्सप्रेस' और 'हॉलिडे' में काम किया, लेकिन उन्हें सबसे बड़ी पहचान टेलीविजन से मिली।

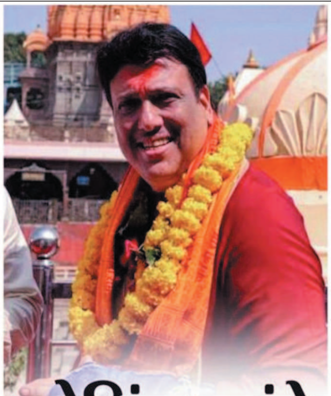

गोविंदा पहुंचे महाकाल के दरबार

फिल्म अभिनेता गोविंदा उज्जैन स्थित श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचे, जहां उन्होंने बाबा महाकाल के दर्शन कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। मंदिर में पहुंचने पर उन्होंने भगवान महाकाल के चरणों में दंडवत प्रणाम किया और अपने बच्चों व परिवार की सुख-समृद्धि के लिए प्रार्थना की। गोविंदा ने बाबा महाकाल की आराधना के दौरान वैदिक मंत्रों का जाप भी किया। उन्होंने भगवान से प्रार्थना की कि सभी लोगों पर उनकी कृपा बनी रहे और जीवन में आने वाली परेशानियां, कष्ट और बाधाएं दूर हों। दर्शन के बाद अभिनेता गोविंदा ने कहा कि उन्होंने बाबा महाकाल से सभी के कल्याण की कामना की है। उन्होंने प्रार्थना की कि भगवान महाकाल सभी के जीवन से दुख, गरीबी, कष्ट और रोग दूर करें और हर व्यक्ति के जीवन में सुख-शांति बनी रहे। महाकाल मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद गोविंदा ने श्रद्धा के साथ 'हर हर महादेव' और 'जय महाकाल' के जयकारे भी लगाए। मंदिर परिसर में अभिनेता की मौजूदगी को लेकर श्रद्धालुओं में भी उत्साह नजर आया।

अपने विचारों को साझा किया दीया मिर्ज़ा ने

बॉलीवुड अभिनेत्री और पर्यावरण कार्यकर्ता दीया मिर्ज़ा ने अपने बेटे अव्यान आज़ाद रेखी की परवरिश को लेकर अपने विचारों को साझा किया है। वह चाहती हैं कि उनके बेटे को कम उम्र से ही सहानुभूति, दयालुता और दूसरों की सीमाओं के सम्मान का महत्व सिखाया जाए, ताकि लड़कियों के लिए एक सुरक्षित और समान समाज का निर्माण हो सके। दीया मिर्ज़ा ने इस बात पर विशेष ज़ोर दिया कि बच्चों को सहमति का सही अर्थ समझाना ज़रूरी है। उनके अनुसार, सहमति सिर्फ न कहने से इनकार करना नहीं है, बल्कि बेचैनी के सूक्ष्म संकेतों को पहचानना और व्यक्तिगत सीमाओं का आदर करना भी है। उन्होंने कहा कि सहमति एक सक्रिय और स्वेच्छा से दी गई हाँ होनी चाहिए, न कि केवल न की अनुपस्थिति। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि किसी को भी अपना ध्यान, स्नेह या निकटता देने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकता, और अस्वीकृति को अपमान या चुनौती देने वाली बात के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए।

पेरिस फैशन वीक में ऐश्वर्या का रॉयल लुक

बॉलीवुड की मशहूर अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन ने पेरिस फैशन वीक में अपनी शानदार मौजूदगी से एक बार फिर सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। देवदास फेम अभिनेत्री ने कोर्सेट वाले काले मखमली फिशटेल गाउन, क्रिस्टल जड़े केप और रत्नों से जड़े टियारा के साथ रैंप वॉक किया, जिससे प्रशंसक उनकी सुंदरता के कायल हो गए। उनके ड्यूई मेकअप और सिग्नेचर रेड लिपस्टिक ने उनके पूरे लुक में चार चांद लगा दिए। शो की कई तस्वीरें और वीडियो ऑनलाइन सामने आए हैं, जिनमें उनकी रॉयल अपीयरेंस साफ दिख रही है। शो से पहले रिहर्सल के दौरान, पेरिस फैशन वीक में लॉरियल का प्रतिनिधित्व करने वाली ऐश्वर्या कई अन्य मशहूर हस्तियों से मिलीं। सिमोन एशले के साथ बातचीत करने और प्यार से उनका हाथ थामने का एक पल सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वह अपनी पुरानी दोस्त ईवा लोंगोरिया से भी मिलीं।

शो मुसाफिरी से खुलेगा मुंबई का अनदेखा इतिहास

एक रोमांचक नॉन-फिक्शन ट्रैवल सीरीज मुसाफिरी के साथ बॉलीवुड अभिनेत्री ऋचा चड्ढा दर्शकों के सामने आ रही हैं। सीरीज में मुंबई शहर के गहन इतिहास, उसके विविध समुदायों, छिपी हुई कहानियों और उन कम चर्चित जगहों को दिखाया जाएगा, जिनके बारे में अक्सर लोग अंजान होते हैं। सीरीज का पहला एपिसोड जल्द रिलीज हो रहा है। मुसाफिरी मुंबई को एक नए दृष्टिकोण से प्रस्तुत करने का वादा करती है। पहले एपिसोड में दर्शकों को मुंबई के समृद्ध इतिहास, उसकी विशिष्ट संस्कृति और कुछ सबसे हैरान कर देने वाले राजों से रूबरू कराया जाएगा। एपिसोड में एक अनोखा कनेक्शन भी बताया गया है, जो अंतरराष्ट्रीय सेलिब्रिटी किम कार्दशियन और दक्षिण मुंबई के सबसे मशहूर इलाकों में से एक, काला घोड़ा के बीच मौजूद है, जो निश्चित रूप से दर्शकों को आश्चर्यचकित करेगा। ऋचा ने खुद भी मुंबई के गहरे कोनों को एक्सप्लोर किया है और शहर के देवी-देवताओं से जुड़े दिलचस्प किस्से साझा किए हैं, जिनमें मां महालक्ष्मी भी शामिल हैं, जिन्हें मुंबई की संरक्षक देवी माना जाता है। अभिनेत्री का मानना है कि मुंबई शहर ऐसी अनगिनत कहानियों से भरा पड़ा है, जिनके बीच लोग बड़े होते हैं लेकिन कभी रुककर उन्हें गहराई से जानने की कोशिश नहीं करते। ऋचा चड्ढा ने कहा, मुंबई में इतनी सारी कहानियां हैं, जिनके बीच हम बड़े हुए हैं, लेकिन लोगों के साथ मैं इन्हें शेयर करना चाहती थी। उनकी यह पहल शहर के निवासियों को अपनी जड़ों और विरासत को फिर से खोजने का अवसर देगी। एपिसोड में दर्शकों को मुंबई के सबसे पुराने आर्मेनियाई चर्चों में से एक में भी ले जाया जाएगा, जो शहर की सांस्कृतिक विविधता का प्रमाण है। इसके साथ ही, गेटवे ऑफ इंडिया के इतिहास और इसे क्यों तथा किन परिस्थितियों में बनाया गया था, इसके बारे में भी विस्तृत जानकारी प्रदान की जाएगी। ऋचा चड्ढा को उम्मीद है कि जो लोग अपनी पूरी जिंदगी मुंबई में रहे हैं, वे भी इस शो के माध्यम से शहर को एक बिल्कुल अलग नजर से देखेंगे और उन्हें लगेगा जैसे वे एक नई मुंबई को खोज रहे हैं। मुसाफिरी का पहला एपिसोड आज शाम उनके यूट्यूब चैनल फुलस्टॉप पर उपलब्ध होगा। अभिनय के क्षेत्र में बात करें तो, ऋचा चड्ढा आखिरी बार संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित हीरामंडी- द डायमंड बाजार में देखी गई थीं। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान लाहौर के हीरा मंडी के रेड-लाइट एरिया पर बनी यह सीरीज ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के तहत तवायफों के जीवन और उनके राजनीतिक व व्यक्तिगत संघर्षों को दर्शाती है।

सलमान ने दिया मजेदार रिएक्शन

सलमान खान ने हाल ही में बिग बॉस 20 के लेटेस्ट एपिसोड में फैंस को अपनी फिटनेस जर्नी की झलक दिखाई। एक्टर ने पिछले हफ़्ते शर्टलेस दिखने के बारे में बात की और मज़ाक में कहा कि उन्होंने पूरी तरह फिट होने से पहले ही अपनी बॉडी दिखाने के लिए शर्ट उतार दी थी। लेटेस्ट वीकेंड का वार एपिसोड के दौरान, सलमान ने अपने वायरल शर्टलेस मोमेंट के बारे में बात की और साफ किया कि वह कोई एकदम टोन-अप बॉडी नहीं दिखाना चाह रहे थे। इसके बजाय, उन्होंने कहा कि उनकी फिटनेस जर्नी अभी चल रही है और अपनी अगली फ़िल्म के लिए बॉडी पर काम करने के लिए उनके पास अभी एक-दो महीने का समय है। बिना सिक्स-पैक के शर्टलेस होने का फैसला क्यों किया, इस बारे में बात करते हुए एक्टर ने कहा, जब शर्ट उतारा था मैंने, तो इसलिए उतारा था कि अभी 6-पैक नहीं है। सलमान ने आगे मजाक में कहा कि पूरी तरह फिट न होने के बावजूद लोगों को उनका लुक पसंद आया। उन्होंने यह भी बताया कि मनचाही शेप में आने में उन्हें अभी कुछ समय लगेगा। सलमान ने कहा, पता नहीं, उन्हें बॉडी अच्छी लगी। अभी नहीं है।

'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में अजय देवगन ने खींची कपिल की टांग

छोटे परदे का मशहूर कॉमेडी शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में बॉलीवुड अजय देवगन अपनी आगामी फिल्म 'दृश्यम- द कंक्लूजन' के प्रचार के लिए पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान कपिल शर्मा ने अजय देवगन की फिल्मों और गोवा से उनके जुड़ाव को लेकर मजाक किया, लेकिन अभिनेता ने भी उसी अंदाज में जवाब देते हुए कपिल की ही टांग खींच दी।

कपिल शर्मा ने बातचीत के दौरान अजय देवगन से पूछा कि उनकी ज्यादातर फिल्मों की शूटिंग गोवा में क्यों होती है। उन्होंने 'गोलमाल', 'सिंघम' और 'दृश्यम' जैसी फिल्मों का जिक्र करते हुए कहा कि अजय की कई फिल्मों का संबंध गोवा से रहा है। आगामी फिल्म 'दृश्यम- द कंक्लूजन' की भी अधिकांश शूटिंग गोवा में हुई है और फिल्म की कहानी का पृष्ठभूमि भी इसी स्थान से जुड़ी है। कपिल ने मजाकिया अंदाज में सवाल किया कि क्या अजय को वास्तव में गोवा खूबसूरत लगता है या फिर इसकी वजह वहां मिलने वाली फेनी और पोमफ्रेट मछली है। कपिल के सवाल का जवाब देते हुए अजय देवगन ने कहा कि गोवा उन्हें बहुत सुकून देने वाली जगह लगता है और उन्होंने स्पष्ट किया कि वह फेनी नहीं पीते। इसके बाद कपिल ने फिर मजाक करते हुए कहा कि अगर अजय खुद फेनी नहीं पीते तो क्या वह किसी और के लिए वहां से फेनी नहीं ला सकते। कपिल के इस सवाल पर अजय देवगन ने तुरंत पलटवार किया और मजाकिया अंदाज में कहा कि फेनी ने कपिल की जिंदगी में पहले ही काफी गड़बड़ की है और उन्हें इसे याद रखना चाहिए। अजय के जवाब के बाद शो का माहौल और भी मजेदार हो गया। कार्यक्रम की जज अर्चना पूरण सिंह भी इस मजाक में शामिल होती नजर आईं।

उन्होंने कपिल की टांग खींचते हुए कहा कि अगर उन्हें कोई चीज मुफ्त में मिल जाए तो वह उसे भी पी सकते हैं। 'दृश्यम- द कंक्लूजन' अजय देवगन की चर्चित 'दृश्यम' श्रृंखला की अगली फिल्म है। फिल्म की पिछली कड़ियों की तरह इसमें भी गोवा की पृष्ठभूमि महत्वपूर्ण है। कपिल शर्मा के शो में फिल्म के प्रचार के दौरान अजय और कपिल की यह मजेदार बातचीत दर्शकों के लिए आकर्षण का हिस्सा बन गई। बता दें कि अभिनेता अजय देवगन और कॉमेडियन कपिल शर्मा जब एक ही मंच पर नजर आते हैं तो बातचीत में हास्य और मजाक का सिलसिला शुरू होना तय माना जाता है।

मंजीरा लेकर रामधुनि में झूमीं कौशल्या साय, डिप्टी सीएम विजय शर्मा ने दी 20 लाख की सौगात

प्रदेश भर से आई रामधुनि टोलियों ने रंग-बिरंगे परिधान में भक्ति और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक छटा बिखेर दी

नई दृष्टिबिंदु / कवर्धा

जिले के ग्राम धनगांव में स्वर्ण जयंती एवं राज्य स्तरीय रामधुनि प्रतियोगिता का भव्य समापन भक्ति के महाकुंभ के रूप में हुआ। मंजीरे की थाप, रामधुनि की गूंज और शहीदों को तर्पण... आस्था के इस अनोखे संगम में प्रदेश भर से आई रामधुनि टोलियों ने रंग-बिरंगे परिधान में भक्ति और छत्तीसगढ़ की सांस्कृतिक छटा बिखेर दी।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं गृह मंत्री विजय शर्मा, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की धर्मपत्नी कौशल्या देवी साय, कैबिनेट मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, सांसद विजय बघेल, विधायक दीपेश साहू, विधायक ईश्वर साहू, अनुसूचित जाति आयोग के सदस्य दयावंत बांधे, जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष प्रीतपाल बेलचंदन, जिला पंचायत अध्यक्ष कल्पना योगेश तिवारी, महिला मोर्चा अध्यक्ष प्रज्ञा निवार्णी, नगर पालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा सहित संतवृंद और बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष संत राजीव लोचन दास महाराज एवं समस्त ग्रामवासियों ने अतिथियों का पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र भेंट कर आत्मीय अभिनंदन किया।

सीएम की धर्मपत्नी ने बजाया मंजीरा

रामधुनि की गूंज के बीच मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी कौशल्या देवी साय पूरी तरह से भक्ति के रंग में रंगी नजर आई। उन्होंने स्वयं मंजीरा हाथ में लेकर भजन मंडली के साथ संगत की। उनका यह सहज रूप देख ग्रामीण भावविभोर हो उठे।

उपमुख्यमंत्री ने दी 20 लाख की सौगात

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने सभी टोलियों से सौजन्य मुलाकात की और कहा कि सबसे ज्यादा टोली कबीरधाम जिले से आई है। उन्होंने कहा, राम और सीता मिलता है तो राग बनता है, जिसका यहां सत्संग हो रहा है। उन्होंने बताया कि पितृ पक्ष के अवसर पर वर्ष 2000 से अब तक नक्सल अभियान में शहीद हुए 1399 जवानों का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ तर्पण किया गया।

उन्होंने कहा कि आज बस्तर, मानपुर-मोहला और कवर्धा नक्सलवाद से मुक्त हो रहा है और ग्रामीण अब सही मायने में आजादी महसूस कर रहे हैं। इस दौरान सरपंच मोनिका गजानंद साहू की मांग पर गांव में शेड निर्माण एवं सामुदायिक भवन के लिए 20 लाख रुपये देने की घोषणा की।

राज्य स्तरीय रामधुनी स्पर्धा के विजेता

प्रथम – पेंड्रीतराई, कबीरधाम (1 लाख रुपये)
द्वितीय – कन्हारपुर, मुंगेली
तृतीय – कटई, बेमेतरा
चतुर्थ – पोड़ी, धमतरी
पंचम – पीड़ा, मुंगेली

खास खबर

कोई भी पात्र हितग्राही न छूटे, राशन संबंधी समस्याओं का शिविरों में किया जा रहा समाधान

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

सेवा संकल्प अभियान के तहत बेमेतरा जिले के विभिन्न विकासखंडों में खाद्य विभाग द्वारा सेवा सेतु शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। शिविरों का उद्देश्य सार्वजनिक वितरण प्रणाली से जुड़े प्रत्येक पात्र हितग्राही तक शासन की खाद्य संबंधी सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना तथा राशन कार्ड से संबंधित लंबित कार्यों का त्वरित निराकरण करना है। खाद्य विभाग द्वारा विकासखंड स्तर पर आयोजित इन शिविरों में ई-केवाईसी, आधार सीडिंग, राशन कार्ड में आवश्यक संशोधन सहित सार्वजनिक वितरण प्रणाली से संबंधित विभिन्न सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। विभाग द्वारा विशेष रूप से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि कोई भी पात्र परिवार शासकीय खाद्यान्न एवं योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।

शिविर में ही मिल रही आवश्यक सेवाएं

सेवा सेतु शिविर में पहुंचने वाले हितग्राहियों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए संबंधित विभागीय अमले द्वारा आवश्यक प्रक्रियाएं शिविर स्थल पर ही पूरी की जा रही हैं। हितग्राहियों की समस्याएं सुनकर उनका यथासंभव मौके पर निराकरण किया जा रहा है तथा आवश्यक प्रकरणों को नियमानुसार आगे की कार्रवाई के लिए लिया जा रहा है।

घर-घर जानकारी, पात्र हितग्राहियों को शिविर तक लाने पर जोर

जिले में यह प्रयास किया जा रहा है कि सेवा सेतु शिविरों की जानकारी अधिक से अधिक नागरिकों तक पहुंचे। मैदानी अमले के माध्यम से लोगों को शिविर की तिथि एवं उपलब्ध सेवाओं की जानकारी दी जा रही है, ताकि ई-केवाईसी, आधार सीडिंग अथवा राशन कार्ड संबंधी कार्य लंबित रखने वाला कोई भी पात्र हितग्राही शिविर से वंचित न रहे। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने क्षेत्र में आयोजित सेवा सेतु शिविर में पहुंचकर राशन कार्ड एवं खाद्य संबंधी लंबित कार्यों का निराकरण कराएं और शासन की योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करें।

ग्रामीणों तक पहुंचीं शासन की योजनाएं और सेवाएं, मांगों एवं समस्याओं के निराकरण की पहल

मोहला। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत विकासखण्ड मोहला के क्लस्टर मोहभट्ठा में सेवा सेतु अभियानझ्रसरकार आपके द्वार शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों को शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं एवं विभिन्न विभागों की सेवाओं का लाभ उनके क्षेत्र में ही उपलब्ध कराना तथा उनकी मांगों एवं समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित करना रहा।

शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने ग्रामीणों से संवाद कर उनकी आवश्यकताओं एवं समस्याओं की जानकारी ली तथा विभागीय योजनाओं की जानकारी साझा की। इस दौरान पात्र हितग्राहियों को शासन की योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने की कार्यवाही भी की गई। शिविर खाद्य एवं खनिज विभाग के निर्देशन में किया गया। जिला प्रशासन मोहला द्वारा आयोजित इस सेवा सेतु शिविर के माध्यम से शासन-प्रशासन की सेवाओं को ग्रामीणों तक पहुंचाने और आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण की दिशा में पहल की गई।

बच्चों के सपनों और कल्पनाओं में दिखता है विकसित भारत का संकल्प – गजेन्द्र यादव

प्रभारी मंत्री ने डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र विद्यालय बसंतपुर व अन्य स्कूलों में विभिन्न विकास कार्यों की घोषणा की

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

स्कूल शिक्षा मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री गजेन्द्र यादव सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बसंतपुर राजनांदगांव में आयोजित मेरे सपनों का भारत के तहत जिला स्तरीय चित्रकला एवं निबंध प्रतियोगिता कार्यक्रम में शामिल हुए। प्रभारी मंत्री गजेन्द्र यादव ने डॉ. बलदेव प्रसाद मिश्र शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बसंतपुर राजनांदगांव के ऑडिटोरियम के मरम्मत कार्य के लिए राशि उपलब्ध कराने की घोषणा की।

उन्होंने बालक-बालिकाओं के लिए पृथक शौचालय निर्माण तथा विद्यालय में 5 अतिरिक्त कक्षों के निर्माण की भी घोषणा की। इसके साथ ही पेण्ड्री, मोहारा और शंकरपुर सहित अन्य स्कूलों से संबंधित विकास कार्यों के लिए भी राशि उपलब्ध कराने की घोषणा की। कार्यक्रम में जिले के सभी विकासखंडो के चयनित विद्यार्थियों द्वारा ड्राइंग्स और पोस्टर की प्रदर्शनी भी लगाई गई थी। इसी प्रकार भाषण प्रतियोगिता में सभी विकासखंडों के चयनित विद्यार्थियों द्वारा अपनी सहभागिता भाषण के रूप में दी। प्रभारी मंत्री श्री गजेन्द्र यादव ने विजेता प्रतिभागियों को प्रतीक चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

प्रभारी मंत्री श्री यादव ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बच्चों के सपनों और उनकी कल्पनाओं में ही विकसित भारत की मजबूत नीव दिखाई देती है। प्रभारी मंत्री ने कहा कि मेरे सपनों का भारत के माध्यम से विद्यार्थियों को वर्ष 2014 के भारत, वर्तमान भारत और वर्ष 2047 के विकसित भारत की कल्पना को चित्र, पेंटिंग और निबंध के माध्यम से अभिव्यक्त करने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भरता और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की दिशा में वोकल फॉर लोकल तथा मेक इन इंडिया जैसे अभियानों के माध्यम से देश में निर्माण और स्वावलंबन की भावना को प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने देश, प्रदेश और स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों, कला, कौशल और उत्पादों के प्रति गौरव की भावना रखने का आह्वान किया। प्रभारी मंत्री गजेन्द्र यादव ने छत्तीसगढ़ की पारंपरिक कला और स्थानीय हस्तशिल्प का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारी समृद्ध परंपराओं और स्थानीय कौशल को आगे बढ़ाना आत्मनिर्भरता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने विद्यार्थियों से स्वदेशी वस्तुओं को अपनाने, नशामुक्ति तथा स्वच्छता जैसे सामाजिक सरोकारों में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की।

सांसद संतोष पाण्डेय ने विद्यार्थियों की प्रतिभा और रचनात्मक प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए कहा कि बच्चों को प्रोत्साहन और उचित मंच मिलने से उनके आत्मविश्वास को नई दिशा मिलती है। उन्होंने प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के साथ उनके शिक्षकों और पालकों को भी बधाई एवं शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि छोटी-सी उपलब्धि भी बच्चों के भीतर आगे बढ़ने और बेहतर करने की प्रेरणा पैदा करती है। उन्होंने कहा कि राजनांदगांव प्रतिभाओं की धरती है। हॉकी, कबड्डी, वेटलिफ्टिंग सहित विभिन्न खेलों में जिले के खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर नाम रोशन किया है। विद्यार्थियों में प्रतिभा के साथ साहस, संवेदना और राष्ट्रहित की भावना विकसित करना भी आवश्यक है।

सांसद श्री पाण्डेय ने कहा कि कोई भी कार्य केवल जिम्मेदारी पूरी करने के लिए नहीं, बल्कि उसके पीछे बड़े उद्देश्य और सकारात्मक सोच के साथ किया जाए तो उसका प्रभाव व्यापक होता है। उन्होंने वर्ष 2047 में स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूर्ण होने का उल्लेख करते हुए कहा कि विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। शिक्षा, कला, कौशल, परिश्रम और राष्ट्रीयता की भावना के साथ आगे बढ़कर विद्यार्थी देश को रक्षा, अर्थव्यवस्था, कृषि, विज्ञान और अन्य क्षेत्रों में नई ऊंचाइयों तक ले जाने में योगदान दे सकते हैं। इस अवसर पर महापौर श्री मधुसूदन यादव, छत्तीसगढ़ पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्मा, छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल के अध्यक्ष योगेश दत्त मिश्रा, जिला पंचायत अध्यक्ष किरण वैष्णव, जिला पंचायत उपाध्यक्ष किरण साहू, खूबचंद पारख, कोमल सिंह राजपूत, पूर्व विधायक विनोद खाण्डेकर, भरत वर्मा, एमडी ठाकुर, राजेन्द्र गोलछा, जिला शिक्षा अधिकारी प्रवास सिंह बघेल सहित जनप्रतिनिधिगण, शिक्षा विभाग एवं जिला प्रशासन के अधिकारी, शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा विभिन्न विद्यालयों से आए विद्यार्थी उपस्थित थे।

सेवा संकल्प अभियान : ग्राम कलडबरी में आंगन मिलन सेवा का हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / राजनांदगांव

सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत राजनांदगांव विकासखंड के ग्राम कलडबरी के आंगनबाड़ी केन्द्र में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रांजलि शुक्ला ने आंगनबाड़ी कार्यकताओं एवं माताओं को कुपोषित बच्चों के लिए संतुलित एवं पौष्टिक आहार, स्वच्छता तथा कुपोषण की रोकथाम के लिए आवश्यक जानकारी दी। उन्होंने आयुर्वेदिक बालचतुर्भद्र मोदक के विशेषता से संबंध में बताया। साथ ही सुवर्णप्राशन के महत्व एवं उपयोगिता के संबंध में अभिभावकों को जानकारी दी। कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं को गर्भावस्था के दौरान संतुलित एवं पौष्टिक आहार लेने, दैनिक आहार में मुनगा को शामिल करने तथा गर्भावस्था के दौरान मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने के लिए जागरूक किया गया। कर्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका, मितानिन तथा स्वस्थ्य शिशु का सम्मान किया गया।

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना एवं महतारी वंदन योजना के हितग्राहियों ने अनुभव साझा किए। इस दौरान रेडी टू ईट व्यंजन, सुपोषण थाली का प्रदर्शन किया गया। हितग्राहियो को विभागीय योजनाओं तथा टीएचआर, स्वास्थ्य, स्वच्छता और पोषण के संबंध में जानकारी दी गई। हर घर मुनगा-घर-घर मुनगा पौधरोपण अभियान के तहत मुनगा पौधरोपण के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर सरपंच जंत्री बाई साहू, उपसरपंच, वार्ड पंच, फार्मासिस्ट सीएल मालेकर, आंबनबाड़ी कार्यकर्ता, मितानिन, पर्यवेक्षक सहित ग्रामीण उपस्थित थे।

जिला कार्यालय भवन की साफ-सफाई एवं बगीचों के संधारण के लिए 12 सितम्बर को निविदा आमंत्रित

राजनांदगांव। जिला कार्यालय भवन राजनांदगांव अंतर्गत परिसर एवं शौचालयों की साफ-सफाई तथा परिसर के भीतर स्थित संपूर्ण बगीचों के संधारण कार्य हेतु वर्ष 2026-27 की अवधि माह अक्टूबर 2026 से सितम्बर 2027 तक के लिए तृतीय निविदा आमंत्रित की गई है। इच्छुक निविदाकार 12 अक्टूबर 2026 को संध्या 4 बजे तक निविदा प्रस्तुत कर सकते हैं। निविदा आमंत्रण हेतु निर्धारित प्रपत्र का आवेदन पत्र, निविदा की शर्तों एवं अन्य जानकारी जिला कार्यालय नाजिर शाखा राजनांदगांव से प्राप्त की जा सकती है। प्राप्त निविदा को 12 अक्टूबर 2026 को संध्या 4.30 बजे उपस्थित निविदाकारों के समक्ष खोली जाएंगी।

सेवा सेतु शिविर का प्रबंध संचालक विलास संदीपन भोस्कर ने किया अवलोकन

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

सेवा संकल्प अभियान के तहत खाद्य विभाग द्वारा जिले में नागरिकों को खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण प्रणाली से संबंधित सेवाएं सहज एवं त्वरित रूप से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सेवा सेतु शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में नागरिक आपूर्ति निगम के प्रबंध संचालक विलास संदीपन भोस्कर ने खाद्य विभाग द्वारा आयोजित सेवा सेतु शिविर का अवलोकन किया।

इस दौरान उन्होंने शिविर में उपस्थित नागरिकों एवं हितग्राहियों से चर्चा कर उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सेवाओं एवं उनकी समस्याओं के निराकरण की जानकारी ली। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से शिविर के माध्यम से प्राप्त आवेदनों एवं प्रकरणों के निराकरण की स्थिति के संबंध में भी जानकारी ली। भोस्कर ने क्षेत्र की सार्वजनिक वितरण प्रणाली दुकान का निरीक्षण किया तथा खाद्यान्न वितरण, हितग्राहियों को मिलने वाली सुविधाओं एवं दुकान में उपलब्ध व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने उपस्थित हितग्राहियों से राशन वितरण एवं अन्य खाद्य संबंधी सेवाओं के संबंध में सीधे संवाद कर उनकी जानकारी एवं अनुभव जाने।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सेवा सेतु शिविर के माध्यम से नागरिकों को शासन की खाद्य संबंधी सेवाओं का सरल, सुगम एवं समयबद्ध लाभ मिले तथा हितग्राहियों की समस्याओं का प्राथमिकता से निराकरण सुनिश्चित किया जाए।

जानकारी वैज्ञानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से जल का उपचार कर उसे पेयजल के लिए सुरक्षित और उपयुक्त बनाया जाए

जेवरी स्कूल के विद्यार्थियों ने अमोरा जल उपचार संयंत्र का किया शैक्षणिक भ्रमण

नई दृष्टिबिंदु / बेमेतरा

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, बेमेतरा द्वारा शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जेवरी के विद्यार्थियों के लिए अमोरा स्थित एकल ग्राम नल जल प्रदाय योजना एवं जल उपचार संयंत्र का शैक्षणिक भ्रमण आयोजित किया गया। भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को सुरक्षित पेयजल की आपूर्ति, जल उपचार की वैज्ञानिक प्रक्रिया, जल गुणवत्ता परीक्षण तथा जल स्रोतों की सतत उपलब्धता एवं संरक्षण के संबंध में व्यावहारिक जानकारी प्रदान करना था।

भ्रमण के दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विद्यार्थियों का स्वागत किया तथा उन्हें एकल ग्राम नल जल प्रदाय योजना की कार्यप्रणाली और ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों तक सुरक्षित एवं स्वच्छ पेयजल पहुंचाने में विभाग की भूमिका की जानकारी दी।

जल उपचार की वैज्ञानिक प्रक्रिया को करीब से समझा

विद्यार्थियों को जल उपचार संयंत्र में जल शुद्धिकरण की विभिन्न प्रक्रियाओं का विस्तार पूर्वक अवलोकन कराया गया। इस दौरान कच्चे जल के संग्रहण से लेकर स्कंदन, फ्लोक्युलेशन, अवसादन, निस्यंदन एवं विसंक्रमण जैसी प्रक्रियाओं की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों ने समझा कि वैज्ञानिक प्रक्रियाओं के माध्यम से जल का उपचार कर उसे पेयजल के लिए सुरक्षित एवं उपयुक्त बनाया जाता है। साथ ही जल उपचार संयंत्र की विभिन्न इकाइयों की कार्यप्रणाली एवं पेयजल की गुणवत्ता बनाए रखने में उनकी भूमिका के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

फील्ड टेस्ट किट से जल गुणवत्ता परीक्षण का प्रदर्शन

शैक्षणिक भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को फील्ड टेस्ट किट के माध्यम से जल गुणवत्ता परीक्षण की व्यावहारिक जानकारी दी गई। उन्हें जल का नमूना लेने तथा विभिन्न गुणवत्ता मानकों की जांच करने की प्रक्रिया का प्रदर्शन कराया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने जाना कि सुरक्षित पेयजल सुनिश्चित करने के लिए नियमित जल गुणवत्ता परीक्षण क्यों आवश्यक है तथा दूषित जल से होने वाली बीमारियों की रोकथाम में जल परीक्षण की क्या भूमिका है।

जल स्रोतों की सतत उपलब्धता एवं संरक्षण पर दिया जोर

अधिकारियों ने विद्यार्थियों को बताया कि किसी भी नल जल प्रदाय योजना की दीर्घकालीन सफलता केवल जल उपचार एवं वितरण व्यवस्था पर निर्भर नहीं करती, बल्कि जल स्रोत की पर्याप्तता, विश्वसनीयता एवं सतत उपलब्धता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। विद्यार्थियों को भूजल पुनर्भरण, वर्षा जल संचयन, जलागम क्षेत्र प्रबंधन, तालाबों एवं प्राकृतिक जल स्रोतों का संरक्षण तथा भूजल के संतुलित दोहन के संबंध में जानकारी दी गई। साथ ही जल संरक्षण में जनभागीदारी की आवश्यकता पर भी विशेष जोर दिया गया।

भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को जल के महत्व से अवगत कराते हुए जल के अपव्यय को रोकने, जल स्रोतों को स्वच्छ रखने और दैनिक जीवन में जल संरक्षण के उपाय अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यार्थियों से अपने परिवार एवं ग्राम समुदाय में सुरक्षित पेयजल, जल गुणवत्ता परीक्षण, वर्षा जल संचयन एवं जल स्रोतों के संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने का आह्वान किया गया।

शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों के लिए ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी अनुभव रहा। विद्यार्थियों को कक्षा में प्राप्त सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक जीवन में लागू होने वाली वैज्ञानिक एवं तकनीकी प्रक्रियाओं से जोड़ने का अवसर मिला। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की यह पहल विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण, पर्यावरणीय जिम्मेदारी एवं जल संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम रही। भ्रमण के समापन पर विद्यार्थियों को सुरक्षित पेयजल, जल स्रोतों के संरक्षण एवं जल संवर्धन का संदेश अपने परिवार और समाज तक पहुंचाने के लिए प्रेरित किया गया।

सेवा की कहानी- आयुष्मान कार्ड ने बढ़ाया स्वास्थ्य सुरक्षा का भरोसा

नई दृष्टिबिंदु / मोहला

शासन की जनकल्याणकारी नीतियों का उद्देश्य समाज के प्रत्येक पात्र परिवार तक आवश्यक सुविधाओं और योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। इसी उद्देश्य को धरातल पर साकार करने की दिशा में सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित सेवा सेतु अभियान महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अभियान के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में पात्र हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है।

ग्राम पांडूटोला निवासी श्रीमती पूर्णिमा कामरे एक मध्यमवर्गीय परिवार से हैं। उनके परिवार में कुल पांच सदस्य हैं। परिवार की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिल्हाटी में आयुष्मान कार्ड के लिए आवेदन किया था। श्रीमती पूर्णिमा कामरे के आवेदन को सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित सेवा सेतु अभियान शिविर, ग्राम खड़खड़ी में प्रक्रिया पूर्ण कर आयुष्मान कार्ड प्रदान किया गया। आयुष्मान कार्ड मिलने से उनके परिवार को उपचार के दौरान स्वास्थ्य संबंधी आर्थिक सुरक्षा का भरोसा मिला है। आयुष्मान कार्ड के माध्यम से पात्र परिवारों को योजना के अंतर्गत निर्धारित कैशलेस स्वास्थ्य उपचार की सुविधा मिलती है। इससे गंभीर बीमारी या अस्पताल में भर्ती होने की स्थिति में उपचार के खर्च का आर्थिक बोझ कम करने में सहायता मिलती है। ऐसे में श्रीमती पूर्णिमा कामरे के पांच सदस्यीय परिवार के लिए यह कार्ड स्वास्थ्य सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण सहारा बना है।

श्रीमती पूर्णिमा कामरे ने आयुष्मान कार्ड प्राप्त होने पर खुशी व्यक्त करते हुए शासन एवं प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

सोलह दूनी आठ
नई दृष्टिबिंदु

साप्ताहिक कॉलम

याज्ञवल्क्य मिश्रा

सीएम साहब की दूरदृष्टि

गुल्लू जानी चचा चिंतन में थे। सहाफी ने छेड़ा तो बोले कि,बस्तर में आदिवासियों के लामबंद होने की कवायद से लेकर बस्तर को पृथक राज्य बनाने की मांग अगर सामने आ रही है तो इसका श्रेय यशस्वी मुख्यमंत्री साय जी को मिलना चाहिए। लेकिन दुश्मन लोग इसका ठीक उल्टा कर रहे हैं। गुल्लू जानी चचा ने सहाफी को समझाया -'देखो अगर आदिवासी एकजुट हो रहे हैं,लामबंद हो रहे हैं तो इसके पीछे सीएम साय की सधी रणनीति और दूरदृष्टि ही है।' गुल्लू जानी चचा ने आगे और स्पष्ट किया -'आदिवासी समाज के आगे बढ़ने के लिए जरुरी है कि वे एकजुट रहें, अब कोई वर्ग समाज एकजुट कैसे होता है जब विषय जीवन मरण और आस्था विश्वास का हो। उन्हें एकजुट करने के लिए ही वह कौतुक, स्वप्न दृष्टा सीएम साय ने किया।' सहाफी ने पूछा कौन सा कौतुक हुआ चचा जो सीएम साहब किए?' गूल्लू जानी चचा ने घूर कर देखा और भड़कते हुए बोले -' सहाफी तुम भी दुश्मनों के देश के हो क्या ? अरे बस्तर के जंगल पहाड़ से लेकर सरगुजा के हसदेव तारा का मसला वही कौतूक ही तो है। देखो अब सब आदिवासी एकजुट हो रहे हैं। यह केवल आदिवासी मुख्यमंत्री ही समझ सकते थे कि आदिवासी जंगल को जंगल नहीं बल्कि जीवन का हिस्सा मानते हैं। सीएम साहब ने आदिवासियों में चेतना जगाने के लिए ही उद्योग वाला कौतुक किया है ।लेकिन लोग सीएम साहब और उनके सलाहकारों समेत सचिवालय तक को लपेट रहे हैं।' सहाफी सदैव सुशासन बाबू और उनकी सुशासन सरकार पर न्योछावर की भूमिका में रहता है। वह गुल्लू जानी चचा की बात सुन और समझ कर अब सुशासन सरकार के मुखिया के प्रति श्रद्धा भाव से भर गया है।

हां..ये कर लो जरुरी है

जाने किस जिले मसला है,लेकिन अफवाह है कि,वहां कृपा पाने एक सत्संग का आयोजन किया जा रहा है। और पूरा 'साधन-संसाधन' इस सत्संग की सफलता के लिए झोंक दिया गया है। लूट मार छिनेती डकैती हत्या अनाचार दुराचार की घटनाएँ तो होती ही हैं,उनसे पुलिस जुझती भी है। लेकिन पुलिस और समाज दोनों के लिए यह जरुरी है कि,सत्संग हो ताकि सकारात्मक ऊर्जा का वातावरण बने। तो साहब सत्संग करा रहे हैं। अब बताईए इतनी शानदार सोच के साथ आयोजन हो रहा है और लोग सवालों की लकड़ी लगा रहे हैं। सच्चे हिंदुओं के दौर में भी लोगों को सत्संग और धार्मिक आयोजन से दिक्कत क्यों होनी चाहिए ? साहब अपन आपके साथ हैं आप लगे रहिए।

कलेक्टर की चिट्ठी

सूबे में एक जिले के कलेक्टर ने एक मसले पर तल्ख तेवर दिखाते हुए सीधे डीजे को पत्र लिख दिया। जानकार कहते हैं कि,पत्र यूँ लिखा नहीं जाता है लेकिन ऐसा भी नहीं है कि लिखा नहीं जा सकता। पर कुछ विद्वानों ने इस पत्र में कुछ और विषय पर मौज ली है।

कलेक्टर साहब कुपित थे कि,मसला ट्राइबल का है और स्पेशल कोर्ट के बजाय दूसरी कोर्ट ने सुनवाई कर जमानत भी दे दी। लेकिन मसला ये है कि,जिस प्रकरण को लेकर यह खत लिखा गया उस प्रकरण में एट्रोसिटी जुड़ी ही नहीं थी, तो मसला स्पेशल कोर्ट क्यों ही जाता। कलेक्टर साहब के पत्र के साथ अभियोजन कार्यालय का भी पत्र रेफ्रेंस के साथ था। यह रेफ्रेंस लेटर दावा करता था कि,जब फैसला हुआ तो अभियोजन पक्ष का कोई वकील ही नहीं था। एक सीनियर वकील साहब ने कहा है -'अभियोजन पक्ष को यह भी साफ करना था कि जब पुलिस डायरी कोर्ट में पेश करती है तो पहले कोर्ट साहब को दिखाती है और ओके होने पर ही आगे बढ़ती है। तो डायरी कोर्ट में यू ही तो दाखिल नहीं हुई होगी।' खैर मसला बस इतना ही था कि,यदि किसी निर्णय से अभियोजन असंतुष्ट है तो अपील कर देता जो कि सामान्यतः किया ही जाता है। लेकिन ठीक है अगर सामान्य प्रक्रिया से ही होता तो कलेक्टर साहब और उनका पत्र चर्चा में कैसे आता। वैसे दुर्गा शक्ति नागपाल ने केवल फोन किया था वह भी सालों से पेडिंग सरकारी जमीन के मसले को लेकर, और कंटेम्ट का मामला खड़ा हो गया था ।यहां साहब ने सीधे पत्र ही जारी कर दिया है। पर ये भी है वह यूपी था ये छत्तीसगढ़ है।

इलेक्टेड और सलेक्टेड

बीजेपी के भीतर सांगठनिक बदलाव से खुश बहुत लोग और बहुत वर्ग हैं। इनमें भी सत्ता सरकार यानि कि मंत्रालय के साहबों का मन जिस तरह से खुश खुश है,वह नजरअंदाज होने का मामला ही नहीं है। जाहिर है सत्ता केंद्र एक रहे तो ही अफसरशाही का या कि सिस्टम का भला होता है। ऐसे ही मन मुदित माहौल में सहाफी ने एक बल्लम वीर साहब से पूछा कि, जान की अमान हजूर,लेकिन आने वाला यदि एकदम कर्री मिर्च साबित हुआ तो कैसे होगा ? साहब ने मुस्कुराते हुए कहा - "द इलेक्टेड गवर्न,द सलेक्टेड रन द गवर्नमेंट।"

जवाब तो जाएगा ही

ग्रेडेशन सूची में जुनियर को वरिष्ठ पद देने के मसले पर हाईकोर्ट ने डीजीपी से व्यक्तिगत शपथ पत्र मांगा है। अब मसला ये है कि, गैजेटेड अफसरों की पोस्टिंग कहां हो कब हो ये सरकार के माननीय तुर्रम खां कब पीएचक्यू से पूछते हैं या कि डीजीपी की राय को अहमियत देते हैं ? यह भी याद रखना कि, सरकार के माननीय तुर्रम खां के फैसलों का ही हश्र है कि, कहीं पर दो दो तीन तीन गेजेटेड अफसरों की पोस्टिंग हो जाती है तो कहीं पर शून्य बटे सन्नाटा का आलम होता है। मौजूदा डीजीपी दो टूक बात करने कहने वाले अफसर माने जाते हैं। भभकी में आते भी नहीं। अब कहीं ऐसा हो जाए कि वो खर्रा तथ्य लिख दें कि, लिस्ट तो पीएचक्यू ने बनाई ही नहीं तब कैसे होगा ? ये अलहदा है कि, डीजीपी ऐसा ना करें लेकिन यदि कर भी दें तो भला गलत कहां है। आखिर सरकार के माननीय फन्ने खां तुर्रम खां लोगों को समझ तो आना चाहिए कि,जो काम जिसका है उसे ही करने दिया करें।

ये क्या मसला है

छत्तीसगढ़ के मध्य क्षेत्र का एक जिला है। वहां अजीबो गरीब स्थिति है,और स्वीकार्य है भी नहीं ।दो मातृ शक्तियों के बीच घनघोर घमासान है मगर अप्रत्यक्ष। कहते हैं घमासान शुरू हुआ इसी जिले में पदस्थ एक गैजेटेड अफसर से। माताजी कुपित हो गई। कोप और बढ़ा जब कुछ बेसिर पैर की काल्पनिक और बिलकुल अक्षम्य बातें प्रचारित हुई। सारा टंटा बवाल इसी मसले से इस कदर बढ़ा कि बात कहीं से कहीं पहुँच गई। एक बुजुर्ग ने फरमाया कि आला हजरत लोगों को देखना चाहिए कि, हो क्या रहा है और क्यों हो रहा है। जरुरी यह भी है कि मसले पर तत्काल हस्तक्षेप करें। सहाफी बेचारा इस लायक ही कहाँ है कि किसी को कुछ सलाह दे। वो तो वैसे भी बस देखने और लिखने का ही काम करता है,सो कर रहा है।

साहब

एक जिले में कलेक्टर साहब ने तहसीलदार को फौरन से पेश्तर इलाके से रवानगी दे दी। कांसा कोसा और कंचन की नगरी के रुप में विख्यात इस इलाके में हुआ ये कि तहसीलदार साहब ने एक बंदे को जिसे जेल भेजना था उसे छोड़ दिया, जब बवाल कटा तो यह जुबानी फरमान जारी कर नया बवाल काट दिया कि, 'पकड़ के दुबारा लाओ अब जेल भेज देता हूँ।' हंगामा बवाल ऐसा हुआ कि, कलेक्टर को यही सटीक लगा कि श्रीमान को रवानगी दे दी जाए और उन्हें रवानगी दे दी गई। अब इस किस्से में कुछ मिर्च मसाला मिला हुआ भी हो सकता है, लेकिन यह तो है कि,कलेक्टर साहब को हटाना तो पड़ ही गया। किसी ने कहा है कि वैसे अगर छोड़ना गलती थी तो वो गलती सुधारने की कवायद तो कर ही रहे थे,कलेक्टर साहब को मौका देना था।

ये फाइल किधर है

कुछ वक़्त हुआ कि मीडिया के हर माध्यम में मामला गूंजा कि,कुछ जिले में मुआवजे के फेर में मौत के मामलों को सर्पदंश में तब्दील कर दिया गया। अब मसला विधानसभा तक गूँजा तो हलचल शुरू हुई। महिला चिकित्सक समेत कुछ डॉक्टर कुछ वकील गिरफ्तार भी हो गए। लेकिन इस तरह के क्षतिपूर्ति के मसले को स्वीकृति देने वाली एक जवाबदेह टेबल पूरी तरह बच निकली। पता चला है कि, जैसे ही कार्यवाही शुरू हुई,इस जवाबदेही वाली गैजेटेड ओहदे की टेबल के शिरोमणि लोगों को समझ आया कि, गाज गिरेगी तो जाने कौन सा अलादीन का चराग घसा गया कि, कार्यवाही वहां तक पहुंची ही नहीं। खबर ये आई कि,इन साहबान की विभागीय जांच होगी। अब ये है खबर है कि जांच के लिए फाइल तो चली थी लेकिन मंत्रालय पहुंचते तक गुम गई है या मंत्रालय में गुम गई है ये ही पता नहीं चल रहा है। एक सीनियर अफसर ने इस मसले पर संक्षिप्त टिप्पणी की है। उन सीनियर अफसर ने सहाफी से कहा -'ये जो मसला है न..यह मसला 'ऑल अथॉरिटी नो रिस्पांसिबिलिटी' का शानदार उदाहरण है ।तकलीफ ये है कि ऐसा उदाहरण किसी एक ज़िले में सीमित नहीं है।'

दिन के सपने

विवादित कारणों से चर्चित रहने वाले एक आईपीएस साहब को दिन में झटकों के साथ सपने आ रहे हैं। सपना ये है कि वो भले डीजीपी ना बन पाएँ लेकिन सरकार उन्हे बेहद संवेदनशील डिपार्टमेंट का हेड बना देगी। यह वही डिपार्टमेंट है जहां से उन्हे बड़े बे आबरू होकर रवानगी लेनी पड़ी थी। यूँ वैसे भी दिन के सपने हैं जो पूरे होते नहीं है। दूसरा ये भी है कि,इन साहब की तिलिस्मी डायरी को एकदम सच्ची जानकारी मानने वाली 'हवा' राज्य से बदल गई है। ये भी सही है कि दो मंत्री जी के नाम साहब के सबसे बड़े पैरोकार के तौर पर सामने आते ही रहते हैं,लेकिन राजनीति यूँ भी मृत्यु से ज्यादा अनिश्चित होती है, आज हैं सत्ता में कल पता नहीं रहें ना रहें। अब ये भी स्थापित मान्यता है कि इस साहब का जिसने भला किया है,प्रकृति उसे ले बैठने में कोई कमी नहीं रखती कोई कसर नहीं छोड़ती।

वैश्विक भाषा बन गई है हिंदी : प्रो. संजय द्विवेदी

केनरा बैंक में हिंदी दिवस समारोह का हुआ आयोजन

नई दृष्टिबिंदु / भोपाल

भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के पूर्व महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि हिंदी विश्व भाषा बन चुकी है। अनेक देशों में हिंदी को देखा, सुना और पढ़ा जा रहा है। डिजिटल माध्यमों, सोशल मीडिया, सिनेमा और नई तकनीक ने इसके वैश्विक विस्तार को गति दी है।

वे केनरा बैंक, भोपाल के अंचल कार्यालय में आयोजित हिंदी दिवस समारोह और पुरस्कार वितरण कार्यक्रम को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। अध्यक्षता बैंक के अंचल प्रमुख सत्य प्रकाश सिंह ने की। इस अवसर पर केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के हिंदी दिवस संदेश का वाचन भी किया गया। संचालन राजभाषा अधिकारी खुशबू गुप्ता ने और स्वागत भाषण उप महाप्रबंधक किरीट नागर ने किया। इस मौके पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया।

प्रो. द्विवेदी ने कहा कि भाषा संवाद का माध्यम होने के साथ संस्कृति, स्मृति और पहचान की संवाहक भी है। हिंदी ने भारत की विविधताओं को जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसे सरकारी कामकाज तक सीमित न रखकर ज्ञान, विज्ञान, तकनीक, व्यापार और रोजगार की भाषा बनाना होगा। नई पीढ़ी को हिंदी, आधुनिक तकनीक और वैश्विक ज्ञान से जोड़ना समय की आवश्यकता है। हिंदी का विकास अन्य भारतीय भाषाओं के विरोध में नहीं, बल्कि उनके साथ मिलकर होना चाहिए।

राजभाषा का हो प्रभावी प्रयोग: सिंह

सत्य प्रकाश सिंह ने कहा कि राजभाषा हिंदी का प्रभावी प्रयोग बैंकिंग सेवाओं को सहज, सरल और जनसुलभ बनाने में महत्वपूर्ण है। ग्राहकों से उनकी भाषा में संवाद करने से बैंक और ग्राहकों के बीच आत्मीयता बढ़ती है। उन्होंने कर्मचारियों से हिंदी को दैनिक कार्य-व्यवहार की सहज भाषा के रूप में अपनाने का आह्वान किया।

पुण्यतिथि पर बीरा सिंह के कार्यों का सर्व समाज ने किया स्मरण

सुपुत्र इंद्रजीत सिंह ने नेहरू नगर स्थित गुरुद्वारा नानकसर में टेका माथा

नई दृष्टिबिंदु / भिलाई

हैवी ट्रांसपोर्ट कंपनी के संस्थापक एवं समाजसेवी स्वर्गीय सरदार दलबीर सिंह उर्फ बीरा सिंह की 7 वीं पुण्यतिथि के अवसर पर नगर के जनप्रतिनिधियों, समाजसेवियों एवं शुभचिंतकों ने उन्हें सादर नमन करते हुए भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर सोशल मीडिया से लेकर बीरा के अंगना कोहका स्थित सर्व समाज कल्याण समिति कार्यालय एवं ट्रांसपोर्ट नगर स्थित एचटीसी कार्यालय में लोगों ने उनके द्वारा किए गए सामाजिक और व्यवसायिक कार्यों का स्मरण किया।

सुबह एचटीसी कंपनी के युवा डायरेक्टर एवं समाजसेवी इंद्रजीत सिंह छोटू ने परिवार के सदस्यों के साथ नेहरू नगर स्थित गुरुद्वारा नानकसर में माथा टेका। इस दौरान ज्ञानी परवीन सिंह द्वारा अरदास की गई, जिसके पश्चात सभी ने स्व. दलबीर सिंह के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित किए।अपने पिता को याद करते हुए भावुक मन से इंद्रजीत सिंह ने सोशल मीडिया पर उनकी स्मृतियों को साझा किया।

उन्होंने लिखा कि पिता द्वारा दिए गए स्नेह, संस्कार, मार्गदर्शन और जीवन मूल्यों की छाप आज भी उनके जीवन में स्पष्ट दिखाई देती है। उनके द्वारा स्थापित सेवा, मानवता और सामाजिक जिम्मेदारी की मिसाल सदैव प्रेरणा स्रोत बनी रहेगी।उन्होंने कहा कि भले ही वे आज प्रत्यक्ष रूप से समीप नहीं हैं, किंतु उनकी यादें, विचार और आदर्श जीवन की हर राह पर सदैव मार्गदर्शन करते रहेंगे।

इस्पात कर्मचारी को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड में लाभांश और ब्याज वितरण कल

भिलाई। भिलाई की सबसे पुरानी एवं प्रतिष्ठित सहकारी संस्था इस्पात कर्मचारी को-ऑपरेटिव क्रेडिट सोसायटी लिमिटेड, सेक्टर-6 भिलाई के सदस्यों को प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी लाभांश मिलने जा रहा है ।सोसायटी ने वित्तीय वर्ष 2024-2025 के लाभांश (10 प्रतिशत) और वित्तीय वर्ष 2025-2026 के ब्याज के भुगतान की तारीखों की आधिकारिक घोषणा कर दी है। सोसायटी के अध्यक्ष बृजबिहारी मिश्र ने सभी सदस्यों को जानकारी देते हुए बताया कि लाभांश एवं ब्याज का वितरण मंगलवार 6 अक्टूबर 2026 से सुबह 11 बजे से औपचारिक रूप से प्रारंभ कर दिया जाएगा। मुख्य शाखा सेक्टर-6 सहित रिसाली शाखा,पावर हाउस शाखा,राजहरा शाखा और नंदनी शाखाओं में भुगतान की व्यवस्था की गई है ।अध्यक्ष बृजबिहारी मिश्र ने सदस्यों से अनुरोध किया है कि वे अपने पहचान संबंधी मूल दस्तावेज पासबुक व बीएसपी गेट पास अवश्य साथ रखें।

सड़क हादसा खड़े ट्रक से जा टकराई बाइक, पिता-पुत्र की मौत, एक घायल

नई दृष्टिबिंदु / बालोद

बालोद जिले में रविवार की शाम खड़े ट्रक के पीछे एक मोटरसाइकिल जा टकराई। हादसे में बाइक सवार पिता और उसके 12 वर्षीय बेटे की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 8 वर्षीय बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया है। घायल बच्चे का अस्पताल में इलाज जारी है। यह घटना सनौद थाना क्षेत्र की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डागेश्वर साहू (34) अपने दोनों बेटों वेद प्रकाश (12) और अनुराग (8) के साथ एक पारिवारिक कार्यक्रम में शामिल होने मामा के घर मोहारा गए थे। कार्यक्रम के बाद तीनों मोटरसाइकिल से अपने गांव गजराबांधा लौट रहे थे। इसी दौरान सनौद थाना क्षेत्र के अरमरीकला गांव के पेट्रोल पंप के पास उनकी मोटरसाइकिल सड़क किनारे खड़े ट्रक क्रमांक CG 08 AU 7510 के पीछे जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि डागेश्वर साहू और उनके बड़े बेटे वेद प्रकाश की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं छोटा बेटा अनुराग गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल 8 वर्षीय बच्चे को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है। घटना की सूचना मिलते ही सनौद थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है और हादसे के कारणों की जांच में जुटी हुई है।

चलती कार में लगी आग

रायपुर। रायपुर के दीनदयाल उपाध्याय नगर के डगनिया इलाके में चलती कार में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। देखते ही देखते आग ने कार को अपनी चपेट में ले लिया। घटना के कारण आसपास मौजूद लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

मिली जानकारी के अनुसार कार में आग लगने की वजह आफ्टर मार्केट वायरिंग में हुआ शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। कार में कंपनी की मूल वायरिंग के अतिरिक्त कराई गई इलेक्ट्रिकल वायरिंग में अचानक खराबी आने के बाद आग भड़कने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि आग लगने की वास्तविक वजह की विस्तृत जांच के बाद ही स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सकेगी। बताया जा रहा है कि कार सड़क पर चल रही थी, इसी दौरान अचानक उसमें आग लग गई। कार से धुआं और लपटें निकलती देख आसपास मौजूद लोगों का ध्यान उस ओर गया। कुछ ही देर में आग तेजी से फैल गई और कार का बड़ा हिस्सा इसकी चपेट में आ गया। बीच सड़क पर कार में आग लगने के कारण वहां से गुजरने वाले वाहन चालक भी सतर्क हो गए। घटना के दौरान कुछ समय के लिए मौके पर अफरा-तफरी की स्थिति बनी रही। जलती हुई कार को देखकर लोग उससे सुरक्षित दूरी बनाते नजर आए।

बच्चों की लड़ाई छुड़ाने पहुंचे बुजुर्ग की मौत

जांजगीर-चांपा। बच्चों के बीच हो रही हाथापाई को शांत कराने पहुंचे एक बुजुर्ग की नीचे गिरने के बाद मौत हो गई। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। मामले की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की ।पुलिस ने बुजुर्ग के भतीजे को हिरासत में लिया है और उससे घटना के संबंध में पूछताछ की जा रही है। बताया गया कि परिवार के बच्चों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। विवाद बढ़ने के बाद बच्चों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। शोर सुनकर बुजुर्ग मौके पर पहुंचे और बच्चों को अलग करने का प्रयास करने लगे। इसी दौरान घटनाक्रम में वह नीचे गिर गए। गिरने के बाद उनकी हालत बिगड़ गई। बुजुर्ग के गिरते ही मौके पर मौजूद लोगों में अफरा-तफरी मच गई।

"यह समाचार पत्र आलोक तिवारी द्वारा 80/बी, मैत्री विहार, राधिका नगर, सुपेला, भिलाई, जिला दुर्ग, (छत्तीसगढ़)-490023 से आलोक तिवारी की ओर से प्रकाशित की जाती है, जिसका संपादन आलोक तिवारी द्वारा किया जाता है तथा इसका मुद्रण समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स द्वारा प्लॉट नं. 339/6, गली नं. 02, पाटन, थाना उतई, दुर्ग, (छ.ग.)-491111 पर किया जाता है। (समाचार चयन के लिए PRP Act, 2023 के तहत संपादक जिम्मेदार है)। समस्त विवादों का निपटारा न्यायालयीन क्षेत्र दुर्ग होगा।" संपादक आलोक तिवारी, मो. 74154-69100